वर्ष 34 ▸▸ अंक : 23 ▸▸ मुंबई, सोमवार, 3 नवंबर 2025 ▸▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸ मूल्य : 3 रुपए ▸▸ epaper.dobajedopahar.com ▸▸ संपादक : अरुण लाल ▸▸ संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

यह वर्ल्ड कप भी हमारा
बेटियों ने रचा दिया इतिहास

भारत की महिला टीम इतिहास रच दिया है। टीम इंडिया ने महिला वनडे विश्व कप 2025 के फाइनल में द. अफ्रीका को 52 रन से हरा दिया। और 52 साल के महिला वनडे विश्व कप के इतिहास में पहली बार खिताब जीता। इस टीम ने मेहनत, जज्बे और विश्वास से वो मुकाम छू लिया है, जिसका सपना करोड़ों भारतीयों ने देखा था। मंधाना की चमक से लेकर रेणुका की रफ्तार तक, हर खिलाड़ी की अपनी एक कहानी है, जो संघर्ष, हिम्मत और उम्मीदों से बुनी गई है।

- साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराकर चैंपियन बने
- पहली बार जीता विश्व कप, 25 साल बाद मिला नया चैंपियन
- दीप्ति-शेफाली ने जिताया फाइनल

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

भारत की लड़कियों ने आखिरकार 47 साल के लंबे इंतजार के बाद इतिहास रच ही दिया। इंडिया विमेंस ने रविवार को फाइनल में साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया। DY पाटील स्टेडियम में साउथ अफ्रीका ने बॉलिंग चुनी। भारत ने 7 विकेट खोकर 298 रन बनाए। शेफाली वर्मा ने 87, दीप्ति शर्मा ने 58, स्मृति मंधाना ने 45 और ऋचा घोष ने 34 रन बनाए। साउथ अफ्रीका से आयाबोंगा खाका ने 3 विकेट लिए। बड़े टारगेट के सामने साउथ अफ्रीका टीम 246 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। कप्तान लौरा वोल्वार्ट ने शतक लगाया, लेकिन टीम को जिता नहीं सकीं। दीप्ति शर्मा ने 5 विकेट लिए। 299 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम ने अच्छी शुरुआत की है। ब्रिट्स 23 के स्कोर पर रन आउट हुईं। बॉश बिना खाता खोले पवेलियन लौटीं। लुस 31 गेंद में 25 रन बनाकर आउट हुईं। शेफाली ने उन्हें पवेलियन भेजा। मरिजान काप 5 गेंद में चार रन ही बना सकीं। दीप्ति ने जाफ्ता को आउट किया। उन्होंने 16 रन बनाए। डर्कसन 37 गेंद में 35 रन बनाकर आउट हुईं। कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट 98 गेंद में 101 रन बनाकर आउट हुईं। अमनजोत कौर ने उनका शानदार कैच लपका। ट्रयॉन 8 गेंद में नौ रन ही बना सकीं। डि क्लार्क और खाका क्रीज पर मौजूद हैं। भारतीय बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में एक नया इतिहास रच दिया है। उन्होंने इस टूर्नामेंट में अब तक 434 रन बनाकर भारत की ओर से किसी एक महिला वनडे विश्व कप संस्करण में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। इस मामले में उन्होंने भारत की दिग्गज कप्तान मिताली राज को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 2017 विश्व कप संस्करण में 409 रन बनाए थे। इससे पहले 2017 में मिताली राज और पूनम राउत ने शानदार प्रदर्शन किया था। मिताली के बाद किसी एक महिला वनडे विश्व कप संस्करण में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड पूनम राउत के नाम है। उन्होंने 2017 में 381 रन बनाए थे।

महाराष्ट्र में बेमौसम बारिश का अलर्ट

एजेंसी । श्रीहरिकोटा

- गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना
- बुधवार तक रहेगी यह स्थिति

मुंबई। मौसम विभाग ने मुंबई सहित महाराष्ट्र के कई जिलों में बेमौसम बारिश की चेतावनी जारी की है। विभाग ने गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। यह स्थिति बुधवार तक बने रहने का अनुमान है। किसानों और नागरिकों को सतर्क रहने तथा अनावश्यक

मराठवाड़ा और पश्चिम महाराष्ट्र में गरज-चमक के साथ वर्षा

मौसम विभाग के अनुसार, मराठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र में अगले दो दिनों तक बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। पुणे, सांगली और सोलापुर में गरज और बिजली के साथ बारिश की संभावना है, जबकि नासिक और अहमदनगर में तेज़ हवाओं के साथ बारिश का अनुमान है। धुले, नंदुरबार और जलगांव में बादल छाए रहेंगे। मराठवाड़ा के धाराशिव, लातूर और बीड जिलों में बिजली कड़कने के साथ भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का पूर्वानुमान है।

मुंबई, कोंकण और विदर्भ में हल्की से मध्यम बारिश

रविवार को मुंबई शहर और उपनगरों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। सोमवार को भी बादल छाए रहने और हल्की बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, मुंबई का अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहेगा। वहीं, कोंकण क्षेत्र में भी अगले दो दिनों तक ऐसी ही स्थिति बनी रह सकती है।

उद्धव ठाकरे आज करेंगे सियासी धमाका

- मतदाता सूचियों में अनियमितताओं के खिलाफ जाएंगे कोर्ट, लड़ेंगे कानूनी लड़ाई

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मतदाता सूची में गड़बड़ी और वोट चोरी के आरोपों को लेकर सोमवार को बड़ा खुलासा करने का ऐलान किया है। ठाकरे एक प्रेस वार्ता के माध्यम से सबूतों सहित नया धमाका करने वाले हैं। वे पहले भी दावा कर चुके हैं कि विधानसभा चुनाव में धांधली हुई थी और महायुति सरकार वोट चोरी के बल पर सत्ता में आई है। उद्धव ने कहा है कि वे मतदाता सूचियों में अनियमितताओं के खिलाफ अदालत का दरवाज़ा खटखटाएंगे और इसके लिए उन्हें महाविकास आघाड़ी और मनसे का भी समर्थन मिलेगा।

पार्टी पदाधिकारियों को सौंपी गई बड़ी जिम्मेदारी

निकाय चुनावों से पहले उद्धव ठाकरे ने इस मुद्दे पर रणनीति तय करने के लिए शिवसेना भवन में बैठक बुलाई, जिसमें मुंबई के विभाग प्रमुखों, उप-विभाग प्रमुखों और विधायकों ने भाग लिया। बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि वोटर लिस्ट की प्रति हर इमारत और चाल में लगाई जाए, ताकि नागरिक खुद यह जांच सकें कि उनका नाम सूची में है या नहीं। उन्होंने कहा कि

6 नवंबर को नई मतदाता सूची होगी प्रकाशित

उद्धव ठाकरे ने कहा कि 6 नवंबर को नई मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी, इसलिए पार्टी पदाधिकारी उस पर कड़ी नज़र रखें। उन्होंने सभी को घर-घर जाकर मतदाता सूची की जांच करने और सही वोटर की पुष्टि करने का आदेश दिया है। ठाकरे का कहना है कि लोकतंत्र की नींव पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया पर टिकी है, और वोट चोरी जैसे प्रयासों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ब्रीफ न्यूज़

गोवा में अवैध खनन मामले में गोलीबारी, सात गिरफ्तार

पणजी। उत्तरी गोवा के परनेम में अवैध रेत खनन से जुड़े एक गोलीबारी मामले में रविवार को दो पुलिस कांस्टेबलों सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। उत्तरी गोवा के पुलिस अधीक्षक राहुल गुप्ता ने बताया कि 28 अक्तूबर को रात करीब 2:30 बजे, खारने (पोरस्कोडेम) निवासी रामऋषि पासवान ने शिकायत की थी कि जब वह अपने साथी लालबाबू गोड के साथ परनेम में तेरेखोल नदी के पास से रेत निकाल रहे थे, तभी एक अज्ञात व्यक्ति ने उन पर गोली चला दी। इस हमले में पासवान की गर्दन पर चोट आई, जबकि गोड के दाहिने हाथ और पेट के किनारे गोली लगी।

देश में सिमट रहा नक्सलवाद, हिंसा से प्रभावित जिलों की संख्या 38 हुई

नई दिल्ली। देश में नक्सलवाद सिमट रहा है। केंद्र सरकार की कार्रवाई के कारण नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या में कमी आई है। भारत में नक्सल हिंसा से प्रभावित जिलों की ताजा समीक्षा में पाया गया कि अप्रैल में नौ राज्यों में 46 जिले माओवादी से प्रभावित थे, लेकिन अब इनकी संख्या घटकर 38 रह गई है। यह समीक्षा वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) से निपटने के लिए राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना 2015 के एक हिस्से के रूप में की गई। गृह मंत्रालय की ओर से अधिसूचित रिपोर्ट में कहा गया कि देश में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में चिंताजनक जिलों की श्रेणी में सिर्फ चार तथा सबसे अधिक प्रभावित जिलों की श्रेणी में तीन जिले रह गए हैं।

यूपी-बिहार से देश में ही नहीं विदेशों में भी सर्वाधिक श्रमिक

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश और बिहार के श्रमिक देश के साथ ही रोजगार की तलाश में विदेश जाने में भी अव्वल हैं। हाल में विदेश मंत्रालय ने विदेश जाने वाले श्रमिकों के पांच साल के आंकड़े जारी किए हैं जिससे यह जानकारी हुई है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, मौजूदा समय में 18 देशों में रोजगार के लिए जाने वाले कम पढ़े-लिखे लोगों को इमीग्रेशन चेक कराना होता है। इसका मकसद श्रमिकों को विदेशों में शोषण से बचाना है। ऐसे श्रमिकों की इमीग्रेशन चेक के दौरान रोजगार के दस्तावेज भी देखे जाते हैं।

महाराष्ट्र सरकार ने शहरी अपशिष्ट जल नीति को दी मंजूरी

- सीवेज पानी पर प्रक्रिया करने महानगर पालिकाओं में स्थापित होगी परियोजना

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

प्रदेश सरकार ने शहरी अपशिष्ट जल के उपचार और पुनः उपयोग के माध्यम से चक्रीय अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए नई नीति को मंजूरी दी है। इस नीति के तहत राज्य की सभी महानगर पालिकाओं और 'अ' वर्ग नगर पालिकाओं में अपशिष्ट जल उपचार और पुनः उपयोग परियोजनाएं लागू की जाएंगी। इस नीति के क्रियान्वयन के लिए नगर विकास विभाग को नोडल एजेंसी नियुक्त किया गया है। परियोजनाओं को लागू करने के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी (PPP) या हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल के तहत काम किया जाएगा। अमृत योजना 2.0 की तर्ज पर राज्य और स्थानीय निकायों को अपनी हिस्सेदारी के साथ वित्तीय सहायता (VGF) दी जाएगी।

निगरानी समिति करेगी नीति के क्रियान्वयन की देखरेख

राज्य सरकार ने नीति को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए मुख्य सचिव राजेश कुमार की अध्यक्षता में 12 सदस्यीय निगरानी समिति का गठन किया है। यह समिति तीन महीने में एक बार बैठक कर नीति की प्रगति की समीक्षा करेगी। समिति का उद्देश्य परियोजनाओं की निगरानी, कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करना और जल पुनः उपयोग के क्षेत्र में नई तकनीकों को प्रोत्साहित करना है।

बगीचों और निर्माण कार्य में पुनः उपयोग होगा पानी

राज्य के छोटे स्थानीय निकायों को प्रक्रिया किए गए पानी का उपयोग बगीचों की सिंचाई, निर्माण कार्य, गैरेज और अन्य नगर सेवाओं में करने की अनुमति दी गई है। राज्य के शहरी क्षेत्रों में आपूर्ति किए गए कुल पानी में से करीब 80 प्रतिशत सीवेज जल तैयार होता है।

मुंबई तटीय सड़क परियोजना की प्रमुख बाधाएं दूर : गोयल

मुंबई। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि पालघर जिले के विरार तक विस्तारित मुंबई तटीय सड़क परियोजना में सभी प्रमुख बाधाएं दूर कर ली गई हैं और इस पर काम जल्द शुरू होगा। महत्वाकांक्षी तटीय सड़क दक्षिण मुंबई के मरीन ड्राइव से वर्ली तक जाती है, जहां यह बांद्रा वर्ली सी लिंक से जुड़ती है। बाद के चरणों में, इस सड़क को मुंबई महानगर क्षेत्र का हिस्सा वर्सोवा और फिर विरार तक विस्तारित करने की योजना है। एक बार पूरा हो जाने पर, नरीमन पॉइंट से विरार तक की यात्रा का समय घटकर केवल 35 से 40 मिनट रह जाने की संभावना है। गोयल ने कहा कि तटीय सड़क परियोजना से संबंधित सभी स्वीकृतियां प्राप्त कर ली गई हैं।

अजब गजब सियासत

- उद्धव की शिवसेना से मिल गई अजित पवार की एनसीपी
- जिला परिषद, पंचायत समिति और नगर परिषद के चुनावों में दोनों दल का गठबंधन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा मोड़ सामने आया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) ने शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के साथ औपचारिक रूप से आघाड़ी (गठबंधन) करने की घोषणा की है। आगामी स्थानीय निकाय चुनावों को ध्यान में रखते हुए दोनों दलों ने रायगढ़ जिले के कर्जत में हुई अहम बैठक में यह निर्णय लिया। इस बैठक के बाद यह तय हो गया है कि जिले की जिला परिषद, पंचायत समिति और नगर परिषद के चुनावों में दोनों दल संयुक्त रूप से मैदान में उतरेंगे। यह गठबंधन महायुति सरकार के खिलाफ स्थानीय स्तर पर विपक्ष की स्थिति को मजबूत करेगा।

बढ़ी राजनीतिक टक्कर

रायगढ़ में पिछले कुछ समय से शिवसेना (शिंदे गुट) और राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार गुट) के बीच तीखी राजनीतिक खींचतान जारी है। पालकमंत्री पद को लेकर हुए विवाद ने दोनों गुटों के बीच तनाव और बढ़ा दिया था। राष्ट्रवादी के सांसद सुनील तटकरे और शिंदे गुट के नेता भरत गोगावले के बीच आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला लगातार जारी रहा है। वहीं, कर्जत क्षेत्र में भी दोनों गुटों के स्थानीय नेताओं के बीच गहरे मतभेद देखने को मिले थे, जिससे राजनीतिक समीकरण जटिल बने हुए थे।

साझा रणनीति के साथ चुनावी तैयारी तेज

शनिवार को रेडिसन ब्लू होटल में आयोजित संयुक्त बैठक में दोनों दलों के वरिष्ठ नेता एक मंच पर आए और एक साथ चुनाव लड़ने का संकल्प लिया। बैठक में राष्ट्रवादी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सुधाकर घारे, भरत भगत, अशोक भोपतराव, दीपक श्रीखंडे और शिवसेना (उद्धव गुट) के उपजिल्हा प्रमुख नितिन सावंत, भिवसेन बडेकर, प्रदीप ठाकरे सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

चुनौती ▸▸ इस साल भारतीयों ने सात हजार करोड़ रुपये गंवाए

बंगलुरु, हैदराबाद, एनसीआर डिजिटल अरेस्ट स्कैम के हॉटस्पॉट

एजेंसी । नई दिल्ली

देश के बड़े शहर साइबर अपराध का हॉटस्पॉट बन रहे। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (दिल्ली- एनसीआर), बेंगलुरु और हैदराबाद डिजिटल अरेस्ट कर लोगों से साइबर ठगी के तीन सबसे बड़े हॉटस्पॉट हैं। इंडियन साइबर क्राइम कॉर्डिनेशन सेंटर (आई4सी) के विश्लेषण में ये खुलासा हुआ है। आई4सी के अनुसार साइबर ठगी के सामने आए मामलों में से 65 फीसदी यहीं से रिपोर्ट किए गए हैं। इसमें बेंगलुरु की भागीदारी 26.8, हैदराबाद की 19.97 और दिल्ली- एनसीआर की भागीदारी 18.14 फीसदी है। साइबर अपराधी लोगों वीडियो कॉल पर खुद को बड़ी जांच एजेंसियों का अधिकारी बताकर पैसे की ठगी कर रहे।अपराध की ये नई दुनिया पुलिस के लिए चुनौती बनती जा रही है।

गांवों तक फैला नेटवर्क

आईआईटी कानपुर की एक रिपोर्ट के अनुसार साइबर ठगी का नेटवर्क राज्यों और गांवों तक फैल चुका है। झारखंड के जमताड़ा के बाद मथुरा और हरियाणा का नूंह नया केंद्र बनकर उभरा है। नौ राज्यों के तीन दर्जन गांवों में इसका दायरा तेजी से फैला है। हरियाणा का मेवात, भिवानी, पलवल, उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ और झारखंड के जमताड़ा और देवघर के आसपास के ग्रामीण इलाकों से बड़े पैमाने पर ठगी को अंजाम दिया जा रहा।

सुरक्षित स्थानों से ठगी

केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत आने वाले आई4सी के आंकड़ों के अनुसार साइबर ठगी का धंधा सुरक्षित स्थानों से संचालित किया जा रहा। इस साल के शुरुआती पांच महीनों में भारतीयों ने सात हजार करोड़ रुपये गंवाए। इसमें सबसे ज्यादा पैसा चीन, म्यांमार, लाओस और थाईलैंड से संचालित साइबर ठगो ने वसूला। इन देशों में ठगी के लिए ठगों के गिरोह ने भारतीयों को लगा रखा है जिनसे जबरन ठगी कराई जा रही है।

विदेशी भी घात लगाए हैं

साइबर अपराध के बढ़ते ग्राफ के बीच जानकारों का कहना है कि विदेशी भी इस अपराध में शामिल हो गए हैं। मलेशिया, चीन, पाकिस्तान और तुर्किए से साइबर ठग लोगों के खाते में सेंध लगा रहे हैं। जानकारों का कहना है कि विदेशों में साइबर अपराध को अंजाम देने के लिए पूरा नेटवर्क काम कर रहा जो लोगों को फोन या लिंक के जरिए झांसे में लेने के बाद मोटी रकम पर हाथ साफ कर रहे हैं। आई4सी के अनुसार भारत में हर महीने औसतन एक हजार करोड़ रुपये की ठगी हो रही है।

नेशनल तीरंदाज अर्जुन सोनावणे की ट्रेन हादसे में मौत

कोटा। राजस्थान के कोटा में महाराष्ट्र का नेशनल तीरंदाजी खिलाड़ी ट्रेन हादसे का शिकार हो गया और उसकी मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक, नेशनल तीरंदाज खिलाड़ी ट्रेन से अपनी टीम और कोच के साथ यात्रा कर रहा था। इस दौरान जैसे ही वह ट्रेन से नाश्ता लेने के लिए उतरा तो उसका पैर फिसल गया। इसके चलते वह ट्रेन के नीचे गया और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। जीआरपी के अनुसार, मृतक तीरंदाज की पहचान महाराष्ट्र के नासिक निवासी अर्जुन सोनावणे के रूप में हुई है। नेशनल तीरंदाजी खिलाड़ी अर्जन की पैर फिसलने के कारण ट्रेन के नीचे आने से मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि नेशनल खिलाड़ी के साथ यह हादसा शनिवार देर रात कोटा जंक्शन पर उस समय हुआ है, जब वह अपनी टीम और कोच के साथ ट्रेन में सफर कर रहे थे।

नवी मुंबई में बनेगा नया हज हाउस

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

मुंबई को जल्द ही अपना दूसरा हज हाउस मिलने जा रहा है। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय की पीआईबी रिपोर्ट के अनुसार, नया हज हाउस नवी मुंबई के खारघर में बनाया जाएगा। मंत्रालय के सचिव डॉ. चंद्रशेखर कुमार ने हाल ही में भारतीय हज समिति (HCoI) और केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (CPWD) के अधिकारियों के साथ प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया।

खारघर में होगा निर्माण

मुंबई के मौजूदा हज हाउस का भी होगा उन्नयन

वर्तमान में मुंबई का हज हाउस जेजे फ्लाईओवर के पास छत्रपति शिवाजी टर्मिनस क्षेत्र में स्थित है, जिसका निर्माण वर्ष 1987 में किया गया था। यह 19 मंजिला भवन भारतीय हज समिति द्वारा संचालित है। मंत्रालय ने बताया कि खारघर परियोजना के साथ-साथ मौजूदा हज हाउस का भी संरचनात्मक ऑडिट और आधुनिकीकरण किया जाएगा। इसके तहत हज 2026 की तैयारियों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे महाराष्ट्र और आसपास के राज्यों से आने वाले यात्रियों को और अधिक सुविधा मिल सके।

मंत्रालय ने निरीक्षण के साथ तय की निर्माण योजना

खारघर में प्रस्तावित हज हाउस का उद्देश्य हज यात्रियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराना है। दौरे के दौरान सचिव ने परियोजना की लेआउट और वास्तुशिल्प योजनाओं की समीक्षा की और निर्माण की समयसीमा पर चर्चा की। इस दौरान कनेक्टिविटी, लॉजिस्टिक्स और उपलब्ध संसाधनों का भी मूल्यांकन किया गया, ताकि हज यात्रियों को बेहतर आवास, स्वास्थ्य जांच, वीज़ा व पासपोर्ट सहायता जैसी सभी सेवाएं एक ही स्थान पर मिल सकें।

ट्यूशन टीचर ने 3 छोटी बच्चियों का किया यौन शोषण

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे जिले की एक अदालत ने तीन नाबालिग छात्राओं के साथ यौन शोषण करने के दोषी पाए गए एक 35 वर्षीय शिक्षक को तीन साल के सश्रम कारावास और 15,000 रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। अदालत ने कहा कि शिक्षक का यह कृत्य बेहद निंदनीय है और ऐसे अपराधों से सख्ती से निपटना आवश्यक है। यह आदेश पॉक्सो अधिनियम के

तहत मामलों की सुनवाई करने वाली विशेष न्यायाधीश रूबी यू. मालवंकर ने 31 अक्टूबर को पारित किया।

पिता की शिकायत से खुला मामला

यह मामला नवंबर 2019 में दर्ज हुआ था, जब एक पीड़िता के पिता ने ठाणे के दिवा इलाके में रहने वाले आरोपी शिक्षक के खिलाफ शिकायत की थी। पिता ने अपनी छह वर्षीय बेटी के साथ आरोपी को अश्लील हरकतें करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया था। इसके बाद दो और बच्चियों ने भी आगे आकर इसी तरह के आरोप लगाए। सुनवाई के दौरान अदालत ने पाया कि आरोपी ने तीनों बच्चियों का यौन उत्पीड़न किया था और अपराध स्पष्ट रूप से सिद्ध हुआ।

कोर्ट की कड़ी टिप्पणी और मुआवजे का आदेश

अदालत ने कहा कि इतनी कम उम्र की बच्ची से यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि उसे हर बात याद हो, लेकिन उसने आरोपी की घिनौनी करतूतों की मुख्य बातें सटीक बताईं, जिससे सच्चाई स्पष्ट हो गई। अदालत ने कहा कि ऐसे अपराध समाज के लिए कलंक हैं और दोषी को कठोर दंड दिया जाना चाहिए ताकि यह संदेश जाए कि बच्चों के साथ किसी भी प्रकार का यौन शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अदालत ने यह भी आदेश दिया कि आरोपी पर लगाया गया 15,000 रुपए का जुर्माना तीनों पीड़िताओं को समान रूप से मुआवजे के रूप में दिया जाए।

अदालत ने आरोपी की दलील ठुकराई

मुकदमे के दौरान आरोपी ने दावा किया कि वह निर्दोष है और उसे पेशेवर प्रतिद्वंद्विता के कारण फंसाया गया है, लेकिन अदालत ने उसकी दलीलें खारिज कर दीं। न्यायाधीश ने कहा कि पीड़िताओं के बयान सुसंगत और विश्वसनीय हैं और यह नहीं कहा जा सकता कि उन्हें बयान रटाए गए थे। अदालत ने अपने फैसले में टिप्पणी की कि 'एक शिक्षक के रूप में आरोपी ने अपनी जिम्मेदारी और नैतिकता का घोर उल्लंघन किया है। उसने मासूम बच्चियों के विश्वास को तोड़ा और उनके मनोवैज्ञानिक विकास पर गहरा आघात पहुँचाया।'

डिवाइडर से टकराया कंटेनर, चालक घायल

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

रविवार सुबह कैडबरी जंक्शन फ्लाईओवर के पास एक कंटेनर के दुर्घटनाग्रस्त होने से मुंबई-नासिक राजमार्ग पर यातायात दो घंटे तक बाधित रहा। हादसे में कंटेनर चालक कामता पाल (50) गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें ठाणे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, कामता पाल कलंबोली से गुजरात की ओर जा रहे थे। सुबह करीब 7 बजे, उनका कंटेनर वाहन कैडबरी जंक्शन फ्लाईओवर के पास पहुंचते ही अनियंत्रित होकर

दो घंटे बाधित रहा मुंबई-नासिक मार्ग

सड़क के डिवाइडर से टकरा गया। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि कंटेनर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक के सिर में गंभीर चोट आई।

पुलिस, दमकल और आपदा प्रबंधन की तत्परता

दुर्घटना की सूचना मिलते ही राबोडी पुलिस, यातायात विभाग, आपदा प्रबंधन टीम और दमकल विभाग के जवान मौके पर पहुँचे। दो हाइड्रा मशीनों की मदद से कंटेनर को सड़क के किनारे हटाया गया, जिसके बाद यातायात को धीरे-धीरे सामान्य किया गया।

दो घंटे तक जाम से जूझते रहे वाहन चालक

ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, दुर्घटना के कारण मुंबई से नासिक जाने वाला यातायात लगभग दो घंटे तक धीमी गति से चला। सुबह के व्यस्त समय में हुए इस हादसे से वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। घायल चालक कामता पाल को तुरंत ठाणे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने कंटेनर को जब्त कर जांच शुरू कर दी है और दुर्घटना के सही कारणों का पता लगाया जा रहा है।

तेंदुए के हमले से 13 वर्षीय बच्चे की मौत

गुस्साई भीड़ ने वन विभाग की गाड़ी में लगाई आग

डीबीडी संवाददाता । पुणे

पुणे जिले की शिरुर तहसील के पिंपरखेड गांव में रविवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हुआ, जब तेंदुए के हमले में 13 वर्षीय रोहन विलास बोंबे की मौत हो गई। इस घटना के बाद गुस्साई भीड़ ने वन विभाग के वाहन को आग के हवाले कर दिया। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया है और पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया है। पुलिस के अनुसार, घटना रविवार दोपहर की है जब रोहन अपने घर के बाहर खेल रहा था। उसी वक्त पास ही घात लगाए बैठे तेंदुए ने

उस पर हमला कर दिया और उसे गन्ने के खेत में घसीट ले गया। कुछ देर बाद जब उसकी दादी ने उसे नहीं देखा, तो उन्होंने शोर मचाया, जिससे ग्रामीण एकत्र हुए और तलाश शुरू की। खोज के दौरान बच्चे का शव खेत में क्षत-विक्षत हालत में मिला।

वन विभाग पर लापरवाही का आरोप

इस हृदयविदारक घटना से गांव में तनाव फैल गया। ग्रामीणों ने आक्रोशित होकर वन विभाग की गाड़ी पलट दी और उसमें आग लगा दी। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले 20 दिनों में यह तीसरा तेंदुआ हमला है, बावजूद इसके वन विभाग ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। इसी के विरोध में उन्होंने बच्चे का पोस्टमार्टम रोकने का निर्णय लिया है। फिलहाल स्थानीय पुलिस और वन विभाग अधिकारी ग्रामीणों को शांत करने का प्रयास कर रहे हैं और घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

बिजली के तार की चपेट में आया बंदर, वन विभाग ने बचाया

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे के घोड़बंदर रोड स्थित टिकुजिनिवाड़ी इलाके में रविवार दोपहर एक बंदर बिजली के तार की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, यह बंदर संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान से इस इलाके में आया था। फिलहाल उसे बचाकर सीपीसीए पशु चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है, जहाँ उसका इलाज जारी है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, रविवार दोपहर करीब 1 बजे बंदर पेड़ों से कूदते हुए बिजली के तार पर चढ़ गया, जिससे वह करंट की चपेट में आ गया। हादसे के बाद बंदर घायल अवस्था में पेड़ की टहनी पर बैठा रहा, और आसपास के लोगों ने तुरंत प्रशासन को सूचना दी। सूचना मिलने पर ठाणे मनपा आपदा प्रबंधन विभाग, दमकल विभाग, वाइल्ड वेलफेयर एसोसिएशन (WWA) के स्वयंसेवक, वन विभाग और महावितरण के कर्मचारी मौके पर पहुँचे। टीम ने बंदर को सुरक्षित पकड़ने के लिए सावधानीपूर्वक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और उसे वन विभाग की देखरेख में अस्पताल पहुँचाया।

बंदरों के बढ़ते खतरे पर चिंता

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान से बंदर अक्सर टिकुजिनिवाड़ी इलाके में आते हैं, जहाँ खुले बिजली के तारों से उनके घायल होने का खतरा बढ़ गया है। नागरिकों ने प्रशासन से इन तारों को सुरक्षित ढकने या भूमिगत करने की मांग की है, ताकि ऐसे हादसे भविष्य में न हों।

ट्रक की चपेट में आया ढाई साल का मासूम, मौत

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

कल्याण-शिलफाटा रोड पर शनिवार रात एक दर्दनाक हादसे में ढाई साल के बच्चे कविश जयंत जाम्ब्रे की मौत हो गई। पेट्रोल पंप से लौटते वक्त कविश अपने पिता की बुलेट बाइक पर सवार था, तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में कविश सड़क पर गिर गया और ट्रक का पहिया उसके ऊपर से गुजर गया।

ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही मानपाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक को जब्त कर लिया। ट्रक में रेत और बजरी भरी हुई थी। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सरजाराव शिंदे के मार्गदर्शन में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 106(1), 281 और मोटर वाहन अधिनियम के तहत ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पिता की आंखों के सामने खत्म हुई बेटे की सांसें

पुलिस के अनुसार, जयंत जाम्ब्रे शनिवार रात पेट्रोल भरवाने के बाद बुलेट से अपने बेटे कविश के साथ घर लौट रहे थे। सोनारपाड़ा स्थित डोंबिवली नगरी सहकारी बैंक के पास ट्रक ने पीछे से जोरदार टक्कर मारी। राहगीरों ने ट्रक चालक को रोकने की कोशिश की, लेकिन वह भीड़ के डर से फरार हो गया। कविश को तुरंत कल्याण-डोंबिवली नगर पालिका के शास्त्री नगर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मुंबई एयरपोर्ट पर 42 करोड़ रुपए का नशीला पदार्थ जब्त

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए बैंकॉक से आए दो यात्रियों से 42.34 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड जब्त किया है। यह खेप छत्रपति

शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) पर रविवार को पकड़ी गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 42 करोड़ रुपए आंकी गई है। डीआरआई को गुप्त सूचना मिलने के बाद यात्रियों के सामान की जांच की गई, जिसमें नूडल्स और बिस्किट के 21 पैकेटों में यह नशीला पदार्थ छिपाया गया था। यह कार्रवाई डीआरआई मुंबई की तीन दिनों में दूसरी बड़ी सफलता है। इससे पहले, शुक्रवार को एजेंसी ने 47 करोड़ रुपए मूल्य की 4.7 किलोग्राम कोकीन की खेप जब्त की थी, जिसमें पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया था। दोनों ताज़ा मामलों को मिलाकर, डीआरआई मुंबई ने अब तक कुल 90 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की ड्रग्स बरामद की हैं।

डीआरआई का अभियान जारी, अंतरराष्ट्रीय गिरोह पर शिकंजा

डीआरआई ने पुष्टि की कि जब्त किए गए पदार्थ को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 के तहत जब्त किया गया है और दोनों यात्रियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। एजेंसी अब इस तस्करी नेटवर्क के संचालकों, वित्तपोषकों और वितरकों तक पहुँचने की दिशा में जांच जारी रखे हुए है। डीआरआई ने कहा कि वह नशा मुक्त भारत के अपने लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध है और अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क को जड़ से खत्म करने के लिए लगातार अभियान चला रही है।

मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर फिर हुआ हादसा

ट्रक-ऑटो की टक्कर में पिता-पुत्र की मौत

डीबीडी संवाददाता । वसई

मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर हादसों का सिलसिला थम नहीं रहा है। रविवार सुबह वसई के पेल्हार पेट्रोल पंप के पास एक तेज रफ़्तार ट्रक ने ऑटो-रिक्शा को टक्कर मार दी, जिसमें पिता-पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान शहजाद गुलाम उस्मानी (52) और आतिफ शहजाद उस्मानी (22) के रूप में हुई है, जो पेल्हार के निवासी थे।

पुलिस के अनुसार, पिता-पुत्र रविवार सुबह अपने ऑटो-रिक्शा से काम के लिए मुंबई जा रहे थे। उसी समय, गुजरात से आ रहा

एक ट्रक तेज रफ़्तार में आया और उनके वाहन से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो पूरी तरह चकनाचूर हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत दोनों को गैलेक्सी अस्पताल पहुँचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जांच में जुटी पुलिस, सड़क सुरक्षा पर उठे सवाल

पेल्हर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सचिन कांबले ने बताया कि दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज कर लिया गया है और ट्रक चालक को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। यह हादसा एक सप्ताह में इस मार्ग पर दूसरी बड़ी दुर्घटना है। स्थानीय नागरिकों ने कहा कि इस राजमार्ग पर तेज गति और निगरानी की कमी के कारण लगातार हादसे बढ़ रहे हैं और यातायात विभाग से कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

पालघर में किसान का अनोखा प्रदर्शन

मृत भैंस लेकर बीमा क्लेम के लिए पहुंचा बैंक

डीबीडी संवाददाता । पालघर

महाराष्ट्र के पालघर जिले के मोखाडा में बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा के बाहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब टाकपाडा गांव के किसान नवसु दिघा अपनी मृत भैंस को ट्रैक्टर में लादकर सीधे बैंक के दरवाजे पर ले आया। किसान ने 2022 में बैंक से करीब 12 लाख रुपए का लोन लेकर 10 दुधारू भैंसें खरीदी थीं और सभी का बीमा करवाया था। लेकिन तीन वर्षों में दो भैंसों की मौत के बावजूद, उसे अब तक बीमा कंपनी से मुआवजा नहीं मिला।

किसान के इस अनोखे विरोध प्रदर्शन को देखने के लिए बैंक के सामने भीड़ जुट गई। नवसु दिघा ने बैंक अधिकारियों से कहा, 'या तो मुझे मेरी भैंसों का बीमा

31 दिनों की समय सीमा, फिर लौटने की चेतावनी

आश्वासन मिलने के बाद किसान ने अपना आंदोलन स्थगित कर दिया, लेकिन उसने चेतावनी दी कि यदि तय समयसीमा के भीतर मुआवजा नहीं मिला तो वह फिर से प्रदर्शन करेगा। अब देखना यह है कि बैंक अधिकारी अपने वादे पर खरे उतरते हैं या नहीं।

क्लेम दो, नहीं तो मैं यह मृत भैंस यहीं छोड़ जाऊंगा।' स्थिति तनावपूर्ण होने पर बैंक ऑफ बड़ौदा के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और किसान को 31 दिनों के भीतर बीमा कंपनी से मुआवजा दिलाने का लिखित आश्वासन दिया।

निर्माण स्थल पर हुए हादसे में घायल मज़दूर की मौत

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भांडुप के गढ़व नाका स्थित श्रद्धा क्लासिक निर्माण स्थल पर हुए दर्दनाक हादसे में 19 वर्षीय मज़दूर मिथुन राजवली केवट की मौत हो गई। घटना 18 अक्टूबर की सुबह उस समय हुई जब लिफ्ट से एक भारी धातु का एंगल गिर गया और केवट के सिर पर लगा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे घाटकोपर के राजावाड़ी अस्पताल भर्ती किया गया था। डॉक्टरों ने रविवार सुबह उसे मृत घोषित कर दिया।

भांडुप पुलिस ने जांच में पाया कि लिफ्ट के रखरखाव और टाइल परिवहन का कार्य खोडल एंटरप्राइजेज को सौंपा गया था। पुलिस ने ठेकेदार रमेश पटेल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 106 और 290 के तहत लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया है। साइट के मालिक सुधीर बाबूभाई मेहता ने भी पुष्टि की कि लिफ्ट की सुरक्षा और संचालन की पूरी जिम्मेदारी ठेकेदार पर थी।

निर्माण स्थलों की सुरक्षा पर उठे सवाल

जांच अधिकारियों ने साक्ष्य के रूप में धातु के एंगल को जब्त कर लिया है और मामले की विस्तृत जांच जारी है। इससे पहले 8 अक्टूबर को जोगेश्वरी में भी ऐसी ही घटना में 22 वर्षीय युवती संस्कृति अमीन की मौत हो गई थी, जब इमारत से सीमेंट ब्लॉक गिरकर उनके सिर पर लगा था। लगातार हो रही ऐसी घटनाएँ मुंबई में निर्माण सुरक्षा नियमों की अनदेखी पर चिंता बढ़ा रही हैं।

कोलशेत खाड़ी में अवैध रेत परिवहन का भंडाफोड़

वाहन मालिक के खिलाफ मामला दर्ज, वाहन और रेत जब्त

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

कासरवडावली पुलिस स्टेशन ने वाहन मालिक राजेंद्र नवले के खिलाफ बिना लाइसेंस के अवैध रूप से गौण खनिजों के परिवहन का मामला दर्ज किया है। पुलिस और राजस्व अधिकारी इस पूरे मामले की विस्तृत जाँच कर रहे हैं। ग्राम राजस्व अधिकारियों को कोलशेत खाड़ी क्षेत्र में एक ट्रक अवैध रूप से रेत से भरा हुआ मिला। सूचना मिलते ही कपूरबावड़ी पुलिस मौके पर पहुँची और जाँच में वाहन में छह पीतल वजनी रेत पाई गई। जब चालक से वैध लाइसेंस मांगा गया, तो उसके पास कोई दस्तावेज नहीं मिला। इसके बाद वाहन को जब्त कर कासरवडावली पुलिस स्टेशन के हवाले किया गया।

5 लाख रुपए से अधिक का माल जब्त

पुलिस जाँच में पता चला कि वाहन का मालिक राजेंद्र नवले है। ग्राम राजस्व अधिकारियों की शिकायत पर महाराष्ट्र भूमि राजस्व संहिता, 1966 की धारा 48 (7) और 48 (8) के तहत मामला दर्ज किया गया। इस कार्रवाई में पुलिस ने कुल 5 लाख 4 हजार 200 रुपए मूल्य की रेत और वाहन जब्त किए हैं।

अजित पवार लगातार चौथी बार बने महाराष्ट्र ओलंपिक संघ के अध्यक्ष

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राकांपा (शरद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजित पवार को महाराष्ट्र ओलंपिक एसोसिएशन (एमओए) के अध्यक्ष पद पर लगातार चौथी बार सर्वसम्मति से चुना गया है। इस जीत ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि राजनीति के साथ-साथ खेल जगत में भी अजित पवार की पकड़ मजबूत बनी हुई है। हालांकि भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री मुरलीधर मोहोल ने इस बार उन्हें चुनौती देने का ऐलान किया था, लेकिन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मध्यस्थता से यह सहमति बनी कि अजित और मोहोल दोनों दो-दो वर्ष के लिए अध्यक्ष पद संभालेंगे।

22 संघों का समर्थन, गठबंधन में समन्वय

सूत्रों के मुताबिक, एमओए के इस चुनाव में कुल 31 खेल संघों में से 22 से अधिक संघों ने अजित पवार के पैनल को समर्थन दिया। अजित पैनल से आदिल सुमारिवाला, प्रदीप गंधे और प्रशांत देशपांडे उपाध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुने गए। चुनाव से पहले भाजपा-राकांपा (अजित) में तालमेल बनाए रखने के लिए मुख्यमंत्री फडणवीस, प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे की उपस्थिति में अहम बैठक हुई थी। इसमें यह तय हुआ कि मोहोल गुट को भी कुछ पदों पर प्रतिनिधित्व दिया जाएगा, ताकि गठबंधन की एकता बनी रहे। इसी समझौते के बाद अजित पवार का दोबारा निर्विरोध चयन लगभग तय माना जा रहा था।

खेल विकास और पारदर्शिता पर फोकस

राजनीति और खेल दोनों क्षेत्रों में अपने संतुलित नेतृत्व के लिए जाने जाने वाले अजित पवार पर इस बार भी भरोसा जताया गया है। उन्होंने अपने पिछले कार्यकाल में खेल ढांचे को सशक्त बनाने और पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था स्थापित करने पर जोर दिया था। अब उनकी नई टीम के सामने राज्य के ग्रामीण इलाकों में खेल सुविधाओं का विस्तार करने, नए खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और महाराष्ट्र को राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने की चुनौती होगी।

कोलाबा कॉज़वे पर बढ़ते अतिक्रमण से निवासियों में नाराज़गी

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेशों और बार-बार की शिकायतों के बावजूद बीएमसी कोलाबा कॉज़वे पर फेरीवालों की समस्या का समाधान नहीं कर पाई है। इससे नाराज़ कोलाबा निवासियों ने बीएमसी को पत्र लिखकर एक सप्ताह के भीतर अवैध दुकानों और अतिक्रमणों को हटाने का अल्टीमेटम दिया है। पूर्व भाजपा पार्षद मकरंद नार्वेकर के नेतृत्व में नागरिक समूह ने ए वार्ड के सहायक नगर आयुक्त को भेजे पत्र में कहा कि कोलाबा कॉज़वे पर 50 प्रतिशत से अधिक स्टॉल अवैध हैं।

उद्धव ठाकरे करेंगे मराठवाडा का दौरा

मुंबई। महाराष्ट्र में हाल ही में हुई भारी बारिश के चलते किसानों को व्यापक नुकसान हुआ है। महायुति सरकार ने प्रभावित किसानों के लिए मुआवजे की घोषणा की थी। इसी सिलसिले में शिवसेना (यूबीटी) के पक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे बुधवार से मराठवाडा के चार दिवसीय दौरे पर जा रहे हैं, जहां वे किसानों की स्थिति और सरकारी राहत के वास्तविक असर का जायजा लेंगे।

'दगाबाज रे' संवाद यात्रा के तहत किसानों से करेंगे बातचीत

सरकार ने दिवाली से पहले किसानों के खातों में मुआवजा जमा करने की घोषणा की थी, लेकिन कई क्षेत्रों से शिकायतें सामने आ रही हैं कि किसानों तक मदद नहीं पहुंची है। इसी मुद्दे को लेकर उद्धव ठाकरे "दगाबाज रे" संवाद यात्रा के माध्यम से 5 से 8 नवंबर तक मराठवाडा के विभिन्न जिलों का दौरा करेंगे। यात्रा की शुरुआत 5 नवंबर को छत्रपति संभाजीनगर से होगी। ठाकरे बीड, धाराशिव, सोलापुर, लातूर, नांदेड़, हिंगोली, परभणी और जालना जिलों के किसानों से सीधे संवाद करेंगे और उनकी समस्याओं को सुनेंगे।

शिवसेना नेताओं की मौजूदगी में होगा दौरा

इस संवाद यात्रा का आयोजन शिवसेना नेता अंबादास दानवे की पहल पर किया गया है। यात्रा के दौरान प्रमुख नेता चंद्रकांत खैरे, सांसद संजय जाधव, ओमराजे निंबालकर, नागेश पाटिल आष्टीकर और उपनेता विनोद घोसालकर सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। इससे पहले भी उद्धव ठाकरे ने मराठवाडा का दौरा कर बाढ़ प्रभावित किसानों की समस्याओं को करीब से समझा था। दौरे के माध्यम से वे फिर से किसानों की आवाज सरकार तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे।

मुंबई में नौ महीनों में 98 हत्याएं

- पीड़ितों में 11 महिलाएं हैं
- पिछले साल की तुलना में 20 मामलों की बढ़ोतरी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई पुलिस द्वारा जारी ताज़ा आँकड़ों ने शहर में बढ़ती हिंसक घटनाओं को लेकर चिंता बढ़ा दी है। इस साल के पहले नौ महीनों में शहर में 98 हत्याएँ दर्ज की गईं, जिनमें 11 महिलाएँ शामिल हैं। यह संख्या पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 20 मामलों की वृद्धि दर्शाती है। ये आंकड़े 24 अक्टूबर को कालाचौकी में हुई वीभत्स हत्या-आत्महत्या की घटना के कुछ ही दिनों बाद सामने आए, जिसमें सोनू बरई ने अपनी प्रेमिका मनीषा यादव की हत्या कर खुदकुशी कर ली थी।

हत्या के मामलों में इज़ाफा प्रयासों में मामूली गिरावट

सितंबर 2025 तक दर्ज आंकड़ों के अनुसार, मुंबई में 98 हत्याएँ और 232 हत्या के प्रयास के मामले सामने आए, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 78 हत्याएँ और 240 हत्या के प्रयास के केस दर्ज हुए थे। हालांकि हत्या के प्रयासों में हल्की कमी आई है, लेकिन हत्याओं में यह बढ़ोतरी पुलिस के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। इस वर्ष हुई 11 महिला हत्याओं में से 10 मामलों को पुलिस ने सुलझा लिया है, जबकि पिछले साल 18 महिलाओं की हत्या हुई थी।

व्यक्तिगत विवाद और घरेलू कलह मुख्य कारण

पुलिस के अनुसार, अधिकांश हत्याएँ झुग्गी-झोपड़ियों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में हुईं। जांच में पाया गया कि घरेलू झगड़े, शराब के नशे में हुई बहसें और पुरानी रंजिशें इन घटनाओं के प्रमुख कारण हैं। हालांकि गंभीर हमले के मामलों में मामूली सुधार देखा गया है—जहाँ पिछले वर्ष 3,282 मामले दर्ज हुए थे, वहीं इस वर्ष यह संख्या घटकर 3,054 रह गई है। यह बदलाव हिंसक झड़पों पर नियंत्रण के प्रयासों में आंशिक सफलता को दर्शाता है।

दुबई से प्रत्यर्पित हुआ ड्रग माफिया शेरा बटला

- 23 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ मामले में गिरफ्तार, छह बड़े ड्रग मामलों में था वांछित

मुंबई। मुंबई पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। ड्रग माफिया सलीम डोला का करीबी सहयोगी सलमान सलीम शेख उर्फ शेरा बटला (35) को दुबई से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया और मुंबई अपराध शाखा ने उसे 23 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ मामले में गिरफ्तार किया। डोंगरी निवासी बटला करीब तीन वर्षों से फरार था और महाराष्ट्र व देश के अन्य राज्यों में मादक पदार्थों की तस्करी के छह बड़े मामलों में वांछित था। सूत्रों के अनुसार, उसका नेटवर्क दुबई, चीन और सऊदी अरब तक फैला हुआ है।

ड्रग तस्करी में अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का पर्दाफाश

मुंबई क्राइम ब्रांच की जांच में खुलासा हुआ कि बटला ड्रग सिंडिकेट का अहम सदस्य था और वह मध्य पूर्व और पूर्वी एशिया में नशीले पदार्थों की सप्लाई के लिए समन्वय करता था। हाल ही में दुबई में गिरफ्तार ड्रग किंगपिन मोहम्मद सलीम शेख की पूछताछ में शेरा बटला का नाम सामने आया था। इंटरपोल के रेड कॉर्नर नोटिस के बाद उसे यूएई में हिरासत में लेकर भारत भेजा गया। रविवार को उसे एस्प्लेनेड कोर्ट में पेश किया गया, जहाँ से उसे पाँच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। 2022 के घाटकोपर एएनसी मामले में बटला की संलिप्तता पहली बार सामने आई थी, जिसमें 2 करोड़ मूल्य की मेफेड्रोन जब्त हुई थी। इसके अलावा, बटला का नाम साकीनाका, अकोला, राचकोंडा, और डोंगरी में हुई ड्रग फैक्ट्रियों और तस्करी मामलों में भी सामने आया है। मुंबई पुलिस ने बताया कि पिछले छह महीनों में चार बड़े ड्रग तस्करों को यूएई से प्रत्यर्पित किया गया है — जिनमें ताहिर डोला, मुस्तफा कुब्बावाला, सलीम शेख और अब शेरा बटला शामिल हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई भारत के अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क को जड़ से खत्म करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

चुनाव आयोग विरोधी मोर्चे के आयोजकों पर मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में चुनाव आयोग के खिलाफ निकाले गए महाविकास आघाड़ी के मोर्चे के आयोजकों के विरुद्ध मुंबई पुलिस ने मामला दर्ज किया है। रविवार को आज़ाद मैदान पुलिस स्टेशन में यह एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और मोर्चे के आयोजन से जुड़ी सभी गतिविधियों की पड़ताल की जा रही है।

बिना अनुमति के निकाला गया था सत्य मार्च मोर्चा

पुलिस के अनुसार, शनिवार को फैशन स्ट्रीट से मुंबई नगर निगम मुख्यालय तक महाविकास आघाड़ी की ओर से "सत्य मार्च" निकाला गया था। यह मोर्चा चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के रूप में आयोजित किया गया था। इस रैली में मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे, राकांपा (एसपी) अध्यक्ष शरद पवार और कांग्रेस नेता बालासाहेब थोरात सहित कई दिग्गज नेता शामिल हुए थे। पुलिस ने बताया कि मोर्चे के लिए अनुमति नहीं दी गई थी, इसलिए आयोजकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

हम पर मामला दर्ज हुआ तो क्या फर्क पड़ता है: संदीप देशपांडे

मनसे मुंबई अध्यक्ष संदीप देशपांडे ने कहा कि उनके मोर्चे पर मामला दर्ज किया गया है, जबकि भाजपा ने भी इसी तरह का मोर्चा निकाला था, उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि हम पर पहले से ही बहुत से मामले दर्ज हैं, एक और सही — इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। देशपांडे के इस बयान ने राजनीतिक हलकों में नई बहस छेड़ दी है।

फिर गर्माया दादर कबूतरखाना विवाद

- जैन मुनि नीलेशचंद्र विजय ने दी भूख हड़ताल की चेतावनी

मुंबई। दादर के कबूतरखाने को बंद करने को लेकर विवाद एक बार फिर से उभर आया है। जैन मुनि नीलेशचंद्र विजय ने सोमवार से भूख हड़ताल शुरू करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन 'जीव दया' के सिद्धांत की रक्षा के लिए है, जो जैन धर्म की मूल पहचान है। मुनि को आजाद मैदान में प्रदर्शन की अनुमति मिल चुकी है और उन्होंने साफ कहा कि वे अपने फैसले से पीछे नहीं हटेंगे। जैन मुनि नीलेशचंद्र विजय ने कहा, "मुख्य कबूतरखाना दादर में है, हम नया नहीं चाहते। झूठे वादे अब बर्दाश्त नहीं होंगे। दादर का कबूतरखाना फिर खुलेगा, चाहे आखिरी सांस तक संघर्ष करना पड़े।" उन्होंने तिरपाल हटाने और कबूतरखाने को दोबारा शुरू करने का संकल्प दोहराया। जैन समाज के कई अनुयायियों ने भी उनके समर्थन में उतरने की तैयारी शुरू कर दी है।

बीएमसी के फैसले से बढ़ा विवाद

बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) ने हाल ही में शहर के चार इलाकों — वर्ली जलाशय, अंधेरी लोखंडवाला, ऐरोली-मुलुंड चेक पोस्ट और गोराई मैदान — में सीमित समय के लिए कबूतरों को दाना डालने की अनुमति दी थी। बीएमसी के आदेश के अनुसार, कबूतरों को सिर्फ सुबह 7 से 9 बजे के बीच दाना डालने की इजाजत होगी। इस फैसले के बाद धार्मिक स्वतंत्रता और पर्यावरणीय स्वच्छता के बीच संतुलन को लेकर बहस तेज हो गई है।

नायर अस्पताल में लगी आग

मुंबई। मुंबई सेंट्रल स्थित बीएमसी संचालित नायर अस्पताल में रविवार सुबह आग लगने से अफरातफरी मच गई। सुरक्षा के मद्देनज़र अस्पताल में भर्ती कई मरीजों को तत्काल बाहर निकाला गया। राहत की बात यह रही कि कुछ ही मिनटों में आग पर काबू पा लिया गया।

बीएमसी आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के अनुसार, आग जी बिल्डिंग के पीछे स्क्रैप क्षेत्र में लगी थी और वेल्डिंग कार्य के दौरान भड़की। आग लगने की सूचना सुबह 11:24 बजे मिली, जिसके बाद दमकल विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 11:37 बजे तक आग पूरी तरह बुझा दी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि वेल्डिंग स्पार्क से कबाड़ सामग्री में आग लगी। मुंबई फायर ब्रिगेड और अस्पताल कर्मियों की तत्परता से किसी भी बड़ी घटना को टाल दिया गया। आग से उठे घने धुएं के कारण मरीजों को करीब 45 मिनट के लिए बाहर निकाला गया, लेकिन किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। परिसर को सुरक्षित घोषित किए जाने के बाद अस्पताल का सामान्य कामकाज फिर से शुरू कर दिया गया।

'फर्जी बयान' मामले में राज ठाकरे ने राहुल गांधी को पीछे छोड़ा : भाजपा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र भाजपा के मुख्य प्रवक्ता केशव उपाध्ये ने रविवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि "फर्जी बयानों" के मामले में उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को भी पीछे छोड़ दिया है। उपाध्ये मुंबई स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे, जहां उन्होंने मनसे और महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के सत्य मार्च को "बेईमानी का नया स्तर" बताया।

नवी मुंबई कमिश्नर बंगले को लेकर झूठा दावा

उपाध्ये ने कहा कि राज ठाकरे ने झूठा आरोप लगाया था कि नवी मुंबई कमिश्नर के बंगले के पते पर 130 मतदाता पंजीकृत हैं। उन्होंने बताया कि जिला कलेक्टर ने पहले ही यह स्पष्ट कर दिया था कि बंगले का उपयोग केवल मतदाता सूची में एक लैंडमार्क के रूप में किया गया था और सूचीबद्ध मतदाता आसपास के क्षेत्र के निवासी थे, न कि बंगले के। इसके बावजूद राज ठाकरे ने यह गलत दावा दोहराकर अपनी फजीहत कराई।

राजू पाटिल को लेकर भी गलत बयान

भाजपा प्रवक्ता ने यह भी कहा कि राज ठाकरे ने दूसरा झूठ यह कहा कि उनकी पार्टी के उम्मीदवार राजू पाटिल को उनके गांव में एक भी वोट नहीं मिला था। जबकि राजू पाटिल ने वहां बहुमत से जीत दर्ज की थी। राज ठाकरे और एमवीए नेताओं से अपील की कि वे जनता को गुमराह करने वाले बयानों से दूर रहें और राजनीति में पारदर्शिता बनाए रखें।

बाढ़ग्रस्त इलाकों का तीन दिवसीय दौरा करेगा केंद्रीय दल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राज्य में हाल ही में हुई भारी बारिश और बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए केंद्र सरकार का एक वरिष्ठ अधिकारी दल सोमवार से तीन दिवसीय दौरे पर रहेगा। आठ अधिकारियों का यह दल 3 नवंबर को मुंबई पहुंचेगा और 4 नवंबर से मराठवाड़ा सहित प्रभावित जिलों का दौरा शुरू करेगा। यह दल किसानों और नागरिकों को हुए नुकसान की स्थिति का निरीक्षण करेगा। राज्य सरकार द्वारा केंद्र से सहायता की मांग किए जाने के बाद यह दौरा तय किया गया है।

31 हजार करोड़ का राज्य पैकेज, अब केंद्र से राहत की उम्मीद

भारी बारिश और बाढ़ से कई जिलों में नदियों ने विकराल रूप ले लिया था, जिससे हजारों एकड़ कृषि भूमि बह गई और किसान भारी आर्थिक संकट में फंस गए। राज्य सरकार ने अब तक 31 हजार करोड़ रुपये से अधिक का राहत पैकेज घोषित किया है, जबकि केंद्र से अतिरिक्त सहायता की उम्मीद की जा रही है। केंद्रीय दल में कृषि, जल शक्ति, ग्रामीण विकास सहित कई मंत्रालयों के अधिकारी शामिल हैं, जो एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की रिपोर्टों के आधार पर स्थिति का मूल्यांकन करेंगे।

फडणवीस-शिंदे-पवार ने शाह से की थी मुलाकात

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे व अजित पवार पहले ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलकर राहत सहायता की मांग कर चुके हैं। केंद्रीय दल का दौरा यह तय करेगा कि किन जिलों में कितने घर, स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र और बिजली सुविधाएं बाढ़ में क्षतिग्रस्त हुई हैं। फडणवीस ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा घोषित राहत पैकेज के साथ केंद्र से मिलने वाली अतिरिक्त सहायता से किसानों को और राहत मिलेगी।

भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका, भिवंडी

बांधकाम विभाग, प्र.स.क्रं 03

प्रथम ई निविदा सुचना क्रमांक १०५ / २०२५-२६

भिवंडी निजामपूर शहर महानगपालिकेच्या बांधकाम विभाग मार्फत **मनपा निधी** अंतर्गत खालिल नमुद कामांचे ई निविदा फॉर्म **https://mahatenders.gov.in** या संकेतस्थळावर विक्रीस उपलब्ध आहेत. अधिक माहितीसाठी भि.नि.श.म.न.पा. नविन शासकीय इमारतीमधील ५ मजल्यावरील बांधकाम विभाग कार्यालयाशी संपर्क साधावा.

निविदा विक्री दि. ०३/११/२०२५ ते दि. १०/११/२०२५
सादरीकरण दि. १०/११/२०२५

अ.क्र.	कामाचे नांव	अंदाजपत्रकीय रक्कम (इतर चार्जेस वगळून)	इसारा रक्कम रु.	निविदा संच फी (जीएसटी सह) रु
१	वॉर्ड क्रं. १६ पद्मानगर येथील मनपा शाळा क्रं. २३,५९,५५ व ६१ इमारतीची दुरुस्ती करणे.	१५,२८,८२६/-	१५,५००/-	५९०/-

सही/-
(जमिल पटेल)
शहर अभियंता
भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका

जा.क्र./ज.सं.वि./1227 दि.31/10/2025

संपादकीय

आस्था के नाम पर अव्यवस्था

वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में उस दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी थी। मंदिर परिसर में प्रवेश और निकास का एक ही संकरा रास्ता था। जब भीड़ बढ़ी और सीढ़ियों में लगी लोहे की राड गिर गई, तो अफरातफरी मच गई। कुछ ही पलों में लोग एक-दूसरे पर गिरने लगे और वहां हाहाकार मच गया। यह घटना इसलिए और भी पीड़ादायक है क्योंकि न तो मंदिर प्रबंधन ने भीड़ प्रबंधन के पर्याप्त उपाय किए थे और न ही स्थानीय प्रशासन ने संभावित जोखिम को भांपकर कोई एहतियात बरती थी। प्रशासन यह कहकर पल्ला नहीं झाड़ सकता कि मंदिर निजी ट्रस्ट के अधीन था। जब किसी स्थान पर लाखों लोग एकत्र होते हैं, तो सुरक्षा की जिम्मेदारी प्रशासनिक तंत्र की भी होती है।

हर बार हादसे के बाद संवेदना जताई जाती है — मुख्यमंत्री से लेकर राष्ट्रपति तक दुख व्यक्त करते हैं, मुआवजा घोषित होता है, जांच बैठती है। लेकिन क्या इन औपचारिक प्रक्रियाओं से समस्या का समाधान होता है? जवाब है — नहीं। भीड़ प्रबंधन का ढांचा आज भी पुराने ढर्रे पर चल रहा है। कोई वैज्ञानिक योजना नहीं, कोई आधुनिक तकनीक नहीं, और सबसे बड़ी कमी — प्रशासन, आयोजक और आमजन के बीच समन्वय का अभाव। जबकि यह भी सच है कि आज तकनीक और अनुभव दोनों के अभाव का कोई कारण नहीं है। दुनिया भर में बड़े धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में भीड़ नियंत्रण के अत्याधुनिक तरीके अपनाए जाते हैं — कैमरों से निगरानी, प्रवेश पर संख्या-सीमा, निकास के बहु-द्वार, प्रशिक्षित स्वयंसेवक, और आपातकालीन निकासी योजना। पर भारत में आस्था की भीड़ को नियमन के बजाय भगवान भरोसे छोड़ दिया जाता है।

आस्था के नाम पर हम अक्सर संयम खो देते हैं। लोग किसी भी कीमत पर 'पहले दर्शन' करने की होड़ में लग जाते हैं, धक्का-मुक्की करते हैं, जबकि धर्म का मूल भाव ही संयम, अनुशासन और करुणा है। यदि श्रद्धालु स्वयं संयम रखें और प्रबंधक सख्त दिशा-निर्देशों का पालन करें, तो ऐसी घटनाओं को बहुत हद तक टाला जा सकता है। ध्यान देने योग्य यह भी है कि आंध्र प्रदेश में इस वर्ष पहले भी दो मंदिरों में भगदड़ की घटनाएं हो चुकी हैं। फिर भी इस घटना के लिए कोई ठोस रोकथाम के उपाय नहीं किए गए। यह प्रशासनिक असंवेदनशीलता का प्रमाण है। मंदिरों, मठों और धार्मिक स्थलों में भीड़ नियंत्रण के लिए अलग से मानक संचालन प्रक्रिया (Standard Operating Procedure) बननी चाहिए, जिसमें हर स्तर पर जिम्मेदारी तय हो। स्थानीय प्रशासन, पुलिस, स्वयंसेवक दल और आयोजन समितियों के बीच स्पष्ट तालमेल जरूरी है।

आस्था को अराजकता में बदलने देना किसी भी सभ्य समाज के लिए कलंक है। इन घटनाओं से देश की छवि को भी धक्का लगता है। हमें यह समझना होगा कि श्रद्धा का अर्थ अंधी भीड़ नहीं, बल्कि अनुशासित विश्वास है। जब तक हम अपने आचरण में यह परिवर्तन नहीं लाएंगे, तब तक ऐसी भगदड़ें यूं ही मासूम जिंदगियों को निगलती रहेंगी — और हर बार वही संवेदनाएं, वही शोक, वही लाचारी दोहराई जाएगी।

शख्सियत | पृथ्वीराज कपूर

भारतीय रंगमंच और सिनेमा के आदर्श

पृथ्वीराज कपूर (3 नवंबर 1906 – 29 मई 1972) हिंदी सिनेमा और भारतीय रंगमंच के इतिहास में एक अमर नाम हैं। वे उन चुनिंदा कलाकारों में से थे जिन्होंने भारतीय अभिनय कला को एक नई पहचान दी। पृथ्वीराज कपूर का जन्म पेशावर में हुआ था, जो उस समय भारत का हिस्सा था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पेशावर के एडवर्ड कॉलेज से प्राप्त की।

आगे चलकर उन्होंने एक वर्ष तक कानून की पढ़ाई भी की, परंतु उनका मन न्यायालय की दलीलों में नहीं, बल्कि मंच और अभिनय की दुनिया में बस गया। अभिनय के प्रति गहरे लगाव ने उन्हें कानून की पढ़ाई अधूरी छोड़कर थिएटर की ओर आकर्षित किया। 1928 में वे अभिनय की नई संभावनाओं की तलाश में मुंबई पहुंचे। उस समय भारतीय फ़िल्म जगत अपने आरंभिक दौर में था और अधिकांश फ़िल्में मूक हुआ करती थीं। पृथ्वीराज कपूर ने कुछ मूक फ़िल्मों में काम किया और अपनी सशक्त अभिनय क्षमता के दम पर दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। भारतीय सिनेमा में एक ऐतिहासिक मोड़ तब आया जब 1931 में भारत की पहली बोलनेवाली फ़िल्म आलम आरा प्रदर्शित हुई। इस फ़िल्म में पृथ्वीराज कपूर ने मुख्य भूमिका निभाई और उनकी आवाज़ तथा अभिनय ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यही वह क्षण था जब भारतीय सिनेमा ने बोलना सीखा और पृथ्वीराज कपूर उसका चेहरा बन गए। पृथ्वीराज कपूर ने केवल सिनेमा तक खुद को सीमित नहीं रखा। उनका दिल हमेशा रंगमंच से जुड़ा रहा। उन्होंने 1944 में मुंबई में पृथ्वी थिएटर की स्थापना की, जो उस समय भारतीय नाट्य आंदोलन का एक सशक्त प्रतीक बन गया। इस थिएटर की खासियत यह थी कि इसके कलाकार देशभर में घूम-घूमकर नाटक प्रस्तुत करते थे। उनके नाटकों में सामाजिक यथार्थ, देशभक्ति और मानवीय संवेदनाओं की गूंज सुनाई देती थी। पृथ्वी थिएटर ने भारतीय जन नाट्य संघ (इप्टा) के आंदोलन को भी बल दिया और उसे जनता के करीब पहुंचाया। पृथ्वीराज कपूर स्वयं इप्टा के संस्थापक सदस्यों में से एक थे, जो उस दौर में सांस्कृतिक जागरण और सामाजिक बदलाव का केंद्र बन चुका था। सिनेमा में भी पृथ्वीराज कपूर ने अपनी एक अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने सिकंदर (1941), आवारा (1951), मुग़ल-ए-आज़म (1960), प्यार किया तो डरना क्या (1963) और कल आज और कल (1971) जैसी प्रसिद्ध फ़िल्मों में अभिनय किया। मुग़ल-ए-आज़म में उनके द्वारा निभाया गया अकबर का किरदार भारतीय फ़िल्म इतिहास के स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। उनकी संवाद अदायगी, आवाज़ की गूंज और व्यक्तित्व की गरिमा ने उस भूमिका को अमर बना दिया। पृथ्वीराज कपूर न केवल एक महान कलाकार थे, बल्कि वे भारतीय सिनेमा के उस परिवार के आधार स्तंभ भी बने, जिसे बाद में कपूर खानदान के नाम से जाना गया। उनके पुत्र राज कपूर, शम्मी कपूर और शशि कपूर ने भारतीय फ़िल्म जगत में असाधारण योगदान दिया और आज भी उनका वंश सिनेमा में सक्रिय है। इस प्रकार पृथ्वीराज कपूर ने न केवल अपनी प्रतिभा से, बल्कि अपने परिवार के माध्यम से भी भारतीय फ़िल्म उद्योग को समृद्ध किया। अपने जीवनकाल में उन्हें अनेक सम्मानों से नवाजा गया। वर्ष 1969 में भारत सरकार ने उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया। 1972 में उनके निधन के पश्चात उन्हें भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान दादा साहब फाल्के पुरस्कार से भी अलंकृत किया गया। यह सम्मान उनके उस योगदान की स्वीकृति थी जिसने भारतीय सिनेमा को विश्व पटल पर प्रतिष्ठा दिलाई। पृथ्वीराज कपूर का जीवन एक ऐसे कलाकार की गाथा है जिसने अपने समर्पण, अनुशासन और कला के प्रति अथाह प्रेम से अभिनय को एक साधना बना दिया।

जयोस्तुते
भाग-47

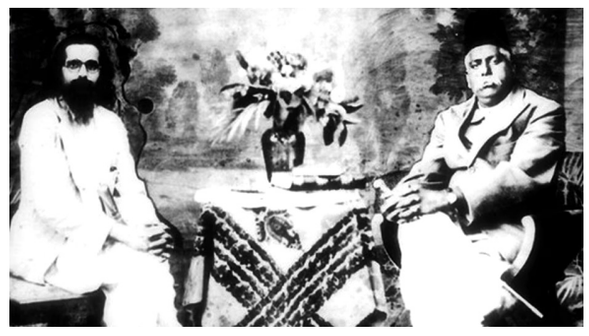

गुरुजी के विचारधन

संघ के द्वितीय सरसंघचालक गोलवलकर गुरुजी अत्यंत प्रतिभाशाली और स्पष्टवक्ता होने के साथ-साथ बेहद निर्भीक लेखक भी थे। उनके विचार किसी को पसंद आएं या न आएं, वे राष्ट्रहित और हिंदू समाज के कल्याण के लिए हैं- इस बात का उन्हें पूर्ण विश्वास था, और इसलिए वे उन्हें बिना किसी संकोच के प्रस्तुत करते थे। गुरुजी का तार्किक चिंतन अत्यंत गहन था। उनकी भाषा पर पकड़ ऐसी थी कि वे बहुत कम शब्दों में अपना संदेश प्रभावशाली ढंग से पहुंचाने में सफल रहे। गोलवलकर गुरुजी ने कई पुस्तकें लिखीं। लेखों, पत्रों, सार्वजनिक सभाओं, संघ के शिविरों और कार्यक्रमों के माध्यम से उन्होंने अपने विचार रखे। इन विचारों के मूल में एक प्रखर राष्ट्रभक्त की राष्ट्र के प्रति समर्पित भावना, निष्ठा, गौरव और प्रेम दिखाई देता है। साथ ही, अपने देशवासियों के प्रति अपार करुणा भी परिलक्षित होती है।

मूल लेख : अवधूत वाघ

(मुंबई के प्रथम आरएसएस संघचालक स्व. दादा राव नाईक की महान विरासत को जारी रखने और युवावस्था में आरएसएस और एबीवीपी से जुड़कर गर्व महसूस करनेवाले सारस्वत बैंक के पूर्व निदेशक अवधूत वाघ महाराष्ट्र भाजपा के राज्य प्रवक्ता हैं। वीजेटीआई से 1981 बैच के इंजीनियरिंग स्नातक और जमनालाल बजाज संस्थान से 1987 बैच के वित्तीय प्रबंधन में परा-स्नातक अवधूत वाघ एक शिक्षाविद् होने के साथ-साथ प्रखर समाजसेवी हैं। जल संसाधन क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करनेवाले चार्टर्ड इंजीनियर वाघ को भारत में पेट्रोलियम रिफाइनरियों में वीओसी संग्रह और निष्कासन प्रणाली के लिए आयात विकल्प प्रौद्योगिकी को डिजाइन करने का श्रेय जाता है। मंझे हुए कबड्डी खिलाड़ी और कवि-लेखक अवधूत वाघ ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर सिलसिलेवार ब्लॉग लिखकर भ्रांतियों को ध्वस्त करने और तथ्यों को सरल तरीके से सामने लाने का काम किया है।)

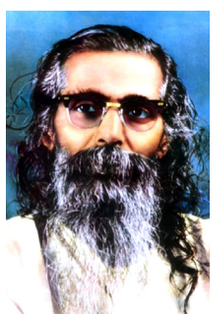

एक पत्रकार ने गुरुजी से पूछा, ''क्या भारत केवल हिंदुओं के लिए है?'' इस पर गुरुजी ने उत्तर दिया, ''हिंदुओं के लिए केवल भारत ही है।'' यह उत्तर समस्त हिंदुओं को हमेशा ध्यान में रखकर आचरण करने योग्य है। जब भारत में विदेशी सौंदर्य प्रतियोगिता के लिए चयन प्रक्रिया चल रही थी, तब उन्होंने बड़ी मार्मिक टिप्पणी करते हुए कहा था- 'वी रियली मिस 'इंडिया' इन द होल अफेयर।''

हिंदू जीवनशैली और सेवा भावना के पारस्परिक संबंध को स्पष्ट करते हुए गुरुजी कहते हैं-''सेवा हिंदू जीवनशैली का एक प्रमुख अंग है। निःस्वार्थ भाव से सेवा करना हिंदुओं का स्वभाव है। जहां स्वार्थ है वहां सेवा नहीं हो सकती। जहां स्वार्थ आ जाता है, वहां सेवा नहीं, व्यापार होता है।''

गुरुजी स्वदेशी पर जोर देते थे। स्वदेशी से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलता है, वस्तुएं सस्ते दामों पर उपलब्ध होती हैं। इतना ही नहीं, स्वदेशी वस्तुएं पर्यावरण के लिए भी उतनी ही अनुकूल होती हैं, इसलिए प्रकृति को होनेवाले नुकसान से बचा जा सकता है। इसके साथ-साथ विदेशी मुद्रा की भी बचत होती है। इस विषय पर अपने विचार स्पष्ट करते हुए वे कहते हैं- ''स्वदेशी के विषय में बहुत कुछ कहने की आवश्यकता नहीं है। स्वराज्य प्राप्त करने का मुख्य अस्त्र स्वदेशी है, और स्वराज्य को सुरक्षित रखने का भी यही आधार है। संघ के माध्यम से हम स्वदेशी का प्रचार और प्रसार करने का संकल्प लेते हैं।''

गुरुजी का स्पष्ट मत था कि भारतीय भाषाओं को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। वे अंग्रेजी का विरोध नहीं करते थे, परंतु भारतीय भाषाओं पर विदेशी भाषाओं का आधिपत्य उन्हें स्वीकार नहीं था। जब स्वतंत्रता के बाद मध्यप्रदेश सरकार ने पहली बार राज्य में हिंदी और मराठी के प्रयोग का अध्यादेश जारी किया, तो गुरुजी ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कहा, ''आज से आपने एक कानून के माध्यम से राज्य शासन में अंग्रेजी को हटाकर मराठी और हिंदी के उपयोग की शुरुआत की है, यह सुनकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई और पूर्ण संतोष प्राप्त हुआ।''

श्रद्धा के विषय पर गुरुजी स्पष्टतापूर्वक कहते हैं- ''जब विषय श्रद्धा का होता है तो उस पर आर्थिक मापदंड लागू करना अनुचित है। यदि कोई व्यक्ति हमारे देश का ध्वज फाड़ दे, तो आर्थिक रूप में उसका मूल्य केवल एक डंडी और थोड़ा कपड़ा होगा, परंतु यदि कोई शत्रु हमारे राष्ट्रध्वज का अपमान करे, तो हम उसके सम्मान की रक्षा के लिए धन-दौलत और जीवन तक अर्पित करने के लिए तत्पर हो जाते हैं। यही हमारा कर्तव्य है। देश को एकता के सूत्र में पिरोने और उसमें चेतना जागृत करने के लिए चाहे जितनी भी धनदौलत और प्राण-ऊर्जा खर्च करनी पड़े, वह स्वीकार्य है।''

गुरुजी का मानना था कि जीवित रहना है तो शक्तिशाली बनना ही होगा। इसे और स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा था- ''इसे उचित मानो या अनुचित, परंतु सच्चाई यही है कि इस संसार में जो शक्तिशाली है, वह निर्बलों पर आक्रमण किए बिना नहीं रहता। पंचशील और सहजीवन की कितनी भी घोषणाएं करें, परंतु शक्तिशाली और दुर्बल के बीच का सहजीवन आज तक कहीं भी सत्य सिद्ध नहीं हुआ है। जीवन के इस कटु सत्य को ध्यान में रखते हुए और अपने प्रत्यक्ष अनुभव के आधार पर हमारे पूर्वजों ने 'जीवो जीवस्य जीवनम्' की जो बात कही है, वह बिल्कुल सत्य है। इसलिए व्यक्ति या राष्ट्र को जीवित रहना है, तो उसे स्वयं को शक्तिशाली बनाना ही होगा, ताकि कोई उस पर आक्रमण करने का साहस न कर सके।''

गुरुजी का स्पष्ट मत था कि भारत को परमाणु बम बनाना चाहिए। उन्होंने सरकार को सुझाव दिया, ''हमें ऐसे हथियार बनाने चाहिए जो शत्रुओं के हथियारों से अधिक प्रभावशाली हों। यदि शत्रु राष्ट्र के पास परमाणु बम है, तो हमारे पास भी होना आवश्यक है। इससे सेना और जनता को विश्वास होगा कि युद्ध में अंतिम विजय हमारी ही होगी।'' गुरुजी आत्मनिर्भर भारत के प्रबल पक्षधर थे। जो देश दूसरों की सहायता पर निर्भर होता है, वह स्वतंत्र निर्णय नहीं ले सकता। इसलिए गुरुजी कहते हैं, ''सभी किसानों, श्रमिकों, उद्यमियों और विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत बंधुओं को मिलकर अपनी सभी जीवनावश्यक वस्तुओं का उत्पादन बढ़ाने के लिए एकजुट प्रयास करने चाहिए। यहां तक कि अन्न के लिए भी हम दूसरों पर निर्भर हैं-यह स्थिति बदलनी चाहिए।''

अस्पृश्यता की समस्या के मूल कारण को स्पष्ट करते हुए गुरुजी ने कहा है- ''आश्रित और आश्रयदाता की भूमिका ही शास्त्रविरुद्ध है। अस्पृश्यता केवल अछूतों की समस्या नहीं है, बल्कि तथाकथित सवर्णों की संकुचित मनोवृत्ति ही अस्पृश्यता का मूल है। जब तक सवर्णों के मन से अस्पृश्यता का उन्मूलन नहीं हो जाता, तब तक यह समस्या पूरी तरह से नष्ट नहीं होगी। आत्मीयता और पारिवारिक संबंधों के आधार पर ही इस समस्या का समाधान संभव है।''

संघ को उत्तम मनुष्य निर्माण की फैक्ट्री मानते हुए गुरुजी ने कहा है- ''कोई भी कार्य हो, उसकी सफलता के लिए अच्छे लोगों की आवश्यकता होती है। हमें समाज में ऐसे लोगों का निर्माण करना होगा, जिनके हृदय में समाज के प्रति आत्मीयता हो, जो समाज की पीड़ा देखकर व्यथित होते हों। ऐसे लोगों में कोई स्वार्थ नहीं होगा और वे समाज की भलाई के लिए किसी भी कष्ट को सहन करने को तैयार रहेंगे। हमारी शाखाओं के माध्यम से हम पूरे देश में ऐसे मनुष्यों का निर्माण कर रहे हैं।''

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने 'अंत्योदय' का विचार प्रस्तुत किया, परंतु इस विचार का बीज गुरुजी पहले ही बो चुके थे। इस संदर्भ में गुरुजी ने कहा है- ''सच्चा धर्म यही है कि हम समूचे समाज को अपना समझें, समग्र समाज के बारे में सोचें और हर व्यक्ति में ऐसा आत्मबल पैदा कर सकें कि वह अपना पालन-पोषण करने में सक्षम हो सके। जितने भी दुःखी-पीड़ित लोग हैं, वे सब ईश्वर के ही स्वरूप हैं। हमें यह समझकर उनकी सेवा करनी चाहिए कि स्वयं भगवान ने यह सेवा करने का अवसर हमें दिया है—यही सच्चा धर्म है।'' भारतीय जीवनशैली, संस्कृति और परंपरा पर बोलते हुए गुरुजी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उद्देश्य को भी स्पष्ट करते हैं और कहते हैं, ''हम सब एक हैं। हमारी संस्कृति, परंपरा, जीवनशैली और इतिहास एक है। इन सब पर गर्व करते हुए, ज्ञान प्राप्त कर, आत्मविश्वास, पुरुषार्थ और पराक्रम के बल पर भारतीय संस्कृति की परंपरागत विचारधारा के माध्यम से संपूर्ण समाज के लिए उपयुक्त एक विशाल राष्ट्र का निर्माण करना हमारा लक्ष्य है।''

इसमें कोई संदेह नहीं है कि गुरुजी के विचार कालातीत हैं और वे समस्त मानवता के लिए दीपस्तंभ के समान सदा मार्गदर्शक बने रहेंगे। क्रमशः

अनुसर्जन : श्वेता शालिनी

(श्री हरि के आनंद-अश्रु से उपजी पापनाशिनी सरिता 'मां सरयू' की सेवा में समर्पित अपने परिवार की शुचिता और सेवा की विरासत को बखूबी सहेजनेवाली श्वेता शालिनी महाराष्ट्र भाजपा की प्रवक्ता और सोशल मीडिया प्रकोष्ठ की प्रभारी हैं। इससे पूर्व सचिव और भाजपा उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ की महाराष्ट्र प्रभारी की जिम्मेदारियों का उल्लेखनीय निर्वाह कर चुकी श्वेता शालिनी इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट की उच्च शिक्षा प्राप्त करने के साथ-साथ एक सफल उद्यमी हैं। महाराष्ट्र सरकार गठित सेक्शन 8 कंपनी वीएसटीएफ की पूर्व कार्यकारी निदेशक भी रह चुकी हैं। एक प्रखर वक्ता के रूप में विशेष मुकाम रखनेवाली श्वेता शालिनी दर्शनशास्त्र, जीवन-शास्त्र और अर्थशास्त्र जैसे गूढ़ विषयों पर लिखनेवाली एक प्रतिष्ठित स्तंभकार होने के साथ-साथ युवाओं, महिलाओं और विशेषकर ग्रामीणों के उत्थान में कार्य करने के लिए प्रसिद्ध हैं। अनुसर्जन का यह उनका पहला प्रयोग है।)

(यह कॉलम हर उस इंसान के लिए है जो संघ को समझना चाहता है, फिर वह समर्थन में हो या विरोध में : संपादक)

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

'भीतर के रावण का दहन'

रावण — यह नाम केवल एक पात्र का नहीं, बल्कि एक गहन प्रतीक का द्योतक है। वह ज्ञान, शक्ति और वैभव का शिखर था। वेदों और शास्त्रों का ज्ञाता, शिव का परम भक्त, तप और साधना का प्रतिमान — रावण ने वह सब पाया जो एक मनुष्य कल्पना कर सकता है। स्वर्णमयी लंका का वह सम्राट था, जिसके पास अपार संपत्ति, बल, बुद्धि और यश था। परंतु इसके बावजूद उसके भीतर एक खालीपन था — एक अंतहीन अधूरापन, जो उसे भीतर से खाता रहा।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो। नं। 9425980556

रावण के पास सब कुछ था, पर संतोष नहीं था। जितना पाया, उतना कम लगा। उसकी इच्छाएँ अनंत थीं, और यही उसकी वास्तविक हार का कारण बनीं। वह जितना महान विद्वान था, उतना ही अपनी वासना और अहंकार का बंदी भी। उसके पास सामर्थ्य था, पर संयम नहीं — और जहाँ संयम नहीं होता, वहाँ विनाश निश्चित होता है। इसके विपरीत राम हैं — जिनके पास न लंका थी, न वैभव, न राजसुख। उन्हें मिला वनवास, संघर्ष और त्याग का जीवन। फिर भी उन्होंने कभी असंतोष नहीं किया। राम का जीवन मर्यादा, करुणा और आत्मसंयम का प्रतिमान है। उन्होंने जो पाया उसमें संतोष किया, और जो खोया, उसे सहजता से स्वीकार किया। यही राम और रावण के बीच का सबसे बड़ा अंतर है — रावण इच्छाओं का दास था, राम आत्मसंयम के स्वामी। जब राम और रावण आमने-सामने आते हैं, तो वह केवल दो राजाओं का युद्ध नहीं होता; वह दो विचारों का, दो जीवन-दृष्टियों का संघर्ष होता है। एक ओर अहंकार और वासना है, दूसरी ओर धर्म और करुणा। रावण की मृत्यु के क्षण में जब राम की आँखों में करुणा झलकती है, तो वह यह बताती है कि उन्होंने केवल शत्रु को नहीं, बल्कि अपने भीतर के क्रोध और हिंसा को भी पराजित किया है। यही सच्ची विजय है — स्वयं पर विजय।

रावण का पतन केवल एक राक्षस की मृत्यु नहीं, बल्कि यह सत्य का उद्घाटन है — कि यदि मनुष्य अपने भीतर के लोभ, वासना और अहंकार को नहीं जीतता, तो उसका ज्ञान और बल भी उसे पतन से नहीं बचा सकते। कथा का एक मार्मिक प्रसंग है — जब मंदोदरी अपने पति के शव के पास रोती हुई राम से पूछती है, "हे राम, उसमें ऐसी कौन-सी कमी थी जो उसमें नहीं थी?" राम मौन रहते हैं। परंतु उनका मौन ही उत्तर है। एक ओर रावण है — जिसने पराई स्त्री के लिए अपने कुल, धर्म और वैभव का नाश किया। दूसरी ओर राम हैं — जिन्होंने पराई स्त्री की छाया तक से मर्यादा की रक्षा की। यहीं राम और रावण के बीच की विभाजन रेखा सबसे स्पष्ट हो जाती है। रावण का दहन केवल बाहरी नहीं, बल्कि प्रतीकात्मक है — यह हमारे भीतर बसे रावण के दहन का आह्वान है। रावण हमारे भीतर की उन प्रवृत्तियों का प्रतीक है जो हमें विनाश की ओर ले जाती हैं — हमारी वासना, हमारा लोभ, हमारा अहंकार। जब तक मनुष्य इन पर विजय नहीं पाता, तब तक वह सच्चा "राम" नहीं बन सकता। राम पूजे जाते हैं क्योंकि वे केवल एक राजा नहीं, बल्कि एक चेतना हैं — भीतर का प्रकाश, जो अंधकार को मिटाता है। दशहरा इसलिए केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन का पर्व है। यह हमें याद दिलाता है कि रावण को बाहर नहीं, अपने भीतर जलाना है। हर बार जब हम झूठ, अहंकार या वासना में डूबते हैं, रावण हमारे भीतर जीवित होता है; और जब हम संयम, सत्य और करुणा के मार्ग पर चलते हैं, तब हमारे भीतर राम प्रकट होते हैं। राम और रावण में यही मौलिक अंतर है — रावण मनुष्यों पर राज्य करना चाहता था, राम मनुष्यता पर।

अपने विचार

सरकार बदलती हैं, लेकिन न्यायालय और कानून का शासन स्थिरता का आधार बने रहते हैं। कानून का शासन तभी जीवित रहता है, जब लोग जनता का भरोसा बनाए रखें और सुविधा के लिए ईमानदारी न छोड़ें।

-एनवी रमणा
पूर्व मुख्य न्यायाधीश

सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह और लालू यादव आतंकियों के हिमायती रहे हैं। ये लोग आतंकियों को बिरयानी खिलाते थे, जबकि मोदी सरकार आतंकियों को उनके घर में घुसकर मारती है।

-अमित शाह
गृहमंत्री

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001

indiagroundreport@gmail.com

भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िम्मेदार).

ब्रीफ न्यूज़

एकादशी पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन

पालघर। पालघर जिले के नालासोपारा स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर, संतोष भवन में एकादशी के शुभ अवसर पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शिव परिवार मंदिर और कार्याध्यक्ष ओम प्रकाश यादव द्वारा आयोजित किया गया था। सुंदरकांड पाठ का संचालन पंडित सौरभ पांडे, देवमनी तिवारी, अमन महाराज, आयुष महाराज, ओम महाराज, अनिल तिवारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर धर्मवीर विश्वकर्मा, गोविंद यादव, पटेल परिवार, पांडे परिवार सहित अनेक भक्त उपस्थित रहे।

विश्वास पाटिल का हुआ नागरिक सम्मान

ठाणे : वरिष्ठ साहित्यकार विश्वास पाटिल ने कहा कि मराठी भाषा आज ऐसे दौर से गुजर रही है, जब हमारी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत खतरे में है। यदि भाषा बचेगी तो ही संस्कृति बचेगी। इसलिए हमें अपनी मराठी भाषा, मराठी विद्यालयों और मराठी साहित्य को बचाने के लिए एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि महाराष्ट्र के प्रत्येक तहसील में जनभागीदारी के माध्यम से कम से कम दो या तीन मराठी भवन बनाए जाने चाहिए, ताकि भाषा और संस्कृति को स्थायी मंच मिल सके। ठाणे महानगरपालिका की ओर से आयोजित कार्यक्रम में 99वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन (सातारा) के नियुक्त अध्यक्ष विश्वास पाटिल का स्वर्गीय नरेंद्र बल्लाल सभागृह में नागरिक अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर मनपा के अतिरिक्त आयुक्त संदीप मालवी ने उनका स्वागत किया। समारोह में राज्य साहित्य एवं संस्कृति परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. प्रदीप धवल, वरिष्ठ कवि अशोक बागवे, सतीश सोलंकुरकर, अभिनेता सागर तलनकर, कवि दुर्गेश सोनार, वरिष्ठ अभिनेता नारायण जाधव, संवेदना प्रकाशन के नितिन हिरवे सहित ठाणे के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पश्चिम रेलवे को स्क्रैप बिक्री से 300 करोड़ रुपए का राजस्व हुआ प्राप्त

मुंबई : पश्चिम रेलवे ने 'ज़ीरो स्क्रैप' अभियान के तहत स्क्रैप सामग्री की बिक्री से अब तक 302 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व अर्जित किया है। यह उपलब्धि रेलवे बोर्ड द्वारा तय किए गए लक्ष्य से करीब 21 प्रतिशत अधिक है। यह उपलब्धि वित्तीय वर्ष 2025-26 में दर्ज की गई है। स्क्रैप बिक्री का यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में भी बेहतर है, जब पश्चिम रेलवे ने 13 नवंबर तक 300 करोड़ रुपए की कमाई की थी। यह 'ज़ीरो स्क्रैप' अभियान मुंबई सेंट्रल, वडोदरा, रतलाम, राजकोट, भावनगर और अहमदाबाद मंडलों में चलाया गया। इसमें हर मंडल, कारखाने और कार शेड से स्क्रैप सामग्री को एकत्र कर व्यवस्थित रूप से बेचा गया। रेलवे परिसरों, डिपो और कारखानों से लोहा, स्टील, एल्युमीनियम, पीतल, तांबा और अन्य धातु के स्क्रैप को नीलाम किया गया। साथ ही, रेलवे ट्रैक के पुराने पुर्जे, गिरे हुए खंभे और अन्य भारी उपकरण भी बिक्री में शामिल रहे। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, इन सामग्रियों की भारी मांग के चलते रेलवे को करोड़ों रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है।

फिट इंडिया कॉन्क्लेव 2025

रोहित शेट्टी, हरभजन सिंह और साइना नेहवाल को किया गया सम्मानित

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

केंद्रीय युवा मामले एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने मुंबई के द ट्राइडेंट में आयोजित राष्ट्रीय फिटनेस एवं वेलनेस कॉन्क्लेव 2025 में नवनियुक्त फिट इंडिया आइकॉन — फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी, क्रिकेटर हरभजन सिंह और ओलंपिक पदक विजेता साइना नेहवाल — को सम्मानित किया। इस अवसर पर फिट इंडिया मिशन के तहत देश में बढ़ते फिटनेस आंदोलन का जश्न मनाया गया। वहीं, राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा निखिल खडसे ने सैयामी खेर, शिवोहम और वृंदा भट्ट को फिट इंडिया आइकॉन घोषित किया।

रक्षा खडसे बोलीं — "संडे ऑन साइकिल" जैसी पहल लाएगी बड़ा बदलाव

राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा खडसे ने कहा, "भारत खेलों में उभरता हुआ राष्ट्र है और फिटनेस से अपार संभावनाएँ जुड़ी हैं। पूरा तंत्र मिलकर स्वस्थ भारत के लिए कार्य करे।" उन्होंने 'संडे ऑन साइकिल' जैसी पहल को लंबे समय के लिए सकारात्मक बदलाव की शुरुआत बताया। खडसे ने कहा कि भारत का सर्वांगीण विकास तभी संभव है जब शारीरिक और मानसिक फिटनेस समान रूप से सशक्त हो। फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी ने कहा कि सोशल मीडिया पर "फिटनेस इन्फ्लुएंसर" बिना जानकारी के गलत सलाह दे रहे हैं, जिससे नई पीढ़ी खतरे में पड़ सकती है। साइना नेहवाल ने कहा, "फिटनेस खेल संस्कृति की आत्मा है। चीन-जापान की सफलता इसी का परिणाम है। भारत में प्रतिभा है, पर फिटनेस और अनुशासन के बिना सफलता नहीं मिलेगी।" उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि बच्चों को मोबाइल से दूर रखकर उनके साथ फिटनेस पर ध्यान दें। विश्व कप विजेता क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कहा, "हम अक्सर फिटनेस की कमी से मैच हार जाते थे, लेकिन विराट कोहली ने यह मानसिकता बदल दी।

फिटनेस से ही विकसित भारत का सपना पूरा होगा — डॉ. मंडाविया

केंद्रीय मंत्री डॉ. मंडाविया ने कहा, "यदि हम फिटनेस के महत्व को नहीं समझेंगे, तो 2047 तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत का सपना पूरा नहीं हो पाएगा।" उन्होंने कहा कि डिजिटल जीवनशैली में फिटनेस पीछे छूट रही है, जिसे सुधारना होगा। "भारत की 65% आबादी 35 वर्ष से कम है। अगर यह युवा वर्ग फिट रहेगा, तो देश तेज़ी से विकास करेगा," उन्होंने कहा। साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि फिटनेस न सिर्फ़ स्वास्थ्य, बल्कि व्यापार का भी हिस्सा है — खेल विज्ञान, पोषण उत्पाद और फिटनेस उपकरणों के निर्माण से भारत एक बड़ा उद्योग केंद्र बन सकता है।

आखिरकार शुरू हुई पंप हाउस परियोजना

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

वाशी के सेक्टर 8 में लंबे समय से रुकी हुई पंप हाउस परियोजना आखिरकार शुरू हो गई है। लगभग पांच वर्षों से अटकी इस परियोजना को महामारी और पर्यावरणीय मंजूरी की अड़चनों के कारण कई बार टालना पड़ा था। 26 जुलाई को हुई भारी बारिश के दौरान इस क्षेत्र में जलभराव की स्थिति ने फिर से पंप हाउस की ज़रूरत को उजागर किया था।

आधुनिक पंपिंग इकाइयों से होगा जल निकासी में सुधार

नई व्यवस्था के तहत खाड़ी किनारे और होल्डिंग तालाब के पास अत्याधुनिक पंपिंग यूनिटें लगाई जाएँगी, जो सेक्टर 8 और आसपास के क्षेत्रों से अतिरिक्त वर्षा जल को तेज़ी से निकालने में मदद करेंगी। नवी मुंबई नगर निगम (एनएमएमसी) इस परियोजना की निगरानी कर रहा है, जबकि आदेश राज्य नेतृत्व द्वारा जारी किया गया था। अधिकारियों का कहना है कि परियोजना के पूरा होने के बाद वाशी की जल निकासी प्रणाली को मज़बूती मिलेगी। स्थानीय नागरिकों और पूर्व पार्षदों ने पंप हाउस के निर्माण कार्य की शुरुआत का स्वागत किया है। पूर्व पार्षद ने कहा कि अगला चरण तालाब की सफाई और जमा हुई गाद हटाने का होगा, ताकि तालाब की क्षमता बढ़े और मानसून के दौरान ओवरफ्लो का खतरा न रहे। अधिकारियों ने भरोसा जताया है कि यह नई व्यवस्था बाढ़ से प्रभावित हज़ारों घरों को राहत देगी और आने वाले मानसून से पहले नेटवर्क को पूरी तरह चालू करने की दिशा में काम जारी रहेगा।

एमएसआरटीसी में ड्यूटी आवंटन में पारदर्शिता का आदेश

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) के प्रबंध निदेशक डॉ. माधव कुसेकर ने सभी संभागीय नियंत्रकों और वरिष्ठ अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि ड्राइवरों और कंडक्टरों की ड्यूटी सौंपने में पूर्ण निष्पक्षता बरती जाए। श्रमिक संघों की शिकायतों के बाद यह कदम उठाया गया है, जिनमें आरोप लगाया गया था कि कुछ कर्मचारियों को निजी संबंधों या सुविधा के आधार पर "विशेष" ड्यूटी दी जाती थी। इस परिपत्र में चेतावनी दी गई है कि दोषी पाए जाने पर अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। एमएसआरटीसी ने सभी मंडल कार्यालयों को अपने-अपने डिपो में नियमित निरीक्षण और ऑडिट करने का आदेश दिया है। निगम ने कहा है कि ड्यूटी चार्ट पूरी पारदर्शिता के साथ और निर्धारित रोटेशन प्रणाली के अनुसार तैयार किए जाएं। इस कदम का उद्देश्य संगठन में अनुशासन और विश्वास बहाल करना है। राज्यभर में 30,000 से अधिक ड्राइवरों और कंडक्टरों को समान अवसर देने के लिए निगरानी को और कड़ा किया जा रहा है। इसी बीच, एमएसआरटीसी के मुंबई सेंट्रल डिपो में हुए उन्नयन और सौंदर्यीकरण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। श्रमिक संघों ने घटिया निर्माण और अनियमितताओं की जांच की मांग की है।

भगवान से मिलने के लिए युक्ति नहीं शुद्ध भक्ति चाहिए: देवकीनंदन ठाकुर

विनय दूबे | भाईंदर

विश्व शांति और मंगल कल्याण की भावना से मीरा रोड में विश्व शांति सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन किया गया है। कथा से पूर्व कलश यात्रा बड़े धूमधाम से श्री हनुमान मंदिर, नवघर रोड से कथा स्थल तक निकाली गई, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। यात्रा के दौरान "राधे-राधे" और "जय श्रीकृष्ण" के जयघोष से पूरा परिसर गूंज उठा। यह आयोजन मीरा रोड के हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे मैदान में 2 से 8 नवम्बर 2025 तक किया जा रहा है। प्रसिद्ध कथावाचक श्री देवकीनंदन ठाकुर महाराज के श्रीमुख से प्रतिदिन श्रीमद्भागवत कथा रूपी गंगा प्रवाहित होगी, जिसमें श्रद्धालु डुबकी लगाकर अपने जीवन को सार्थक बनाएंगे।

एकता, सौहार्द और सामाजिक सरोकार का संदेश

विशेष संयोजक गजेंद्र भंडारी ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य समाज में एकता और सौहार्द का संदेश फैलाना है। कथा के दौरान आध्यात्मिक शांति के साथ-साथ सामाजिक सरोकार से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा, जिससे भक्तजन भक्ति के साथ समाजसेवा का महत्व भी समझ सकें।

श्रीमद्भागवत कथा से मिलेगा मोक्ष और भक्ति का संदेश

कथा के पहले दिन प्रवचन देते हुए आध्यात्मिक कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर महाराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने मात्र से मृत्यु का भय दूर हो जाता है। यह ग्रंथ परम सत्य और मोक्ष का मार्ग है, जो हमारे हृदय को जागृत कर मुक्ति का पथ दिखाता है। भगवान से मिलने का एकमात्र उपाय भक्ति मार्ग है — इसका कोई शॉर्टकट नहीं। उन्होंने अपील की कि माता-पिता अपने बच्चों को प्रतिदिन रामायण और भागवत की शिक्षा दें ताकि उनकी जड़ें ज्ञान और भक्ति से मजबूत हों।

समाज में सकारात्मक बदलाव और आध्यात्मिक उन्नति का उद्देश्य

आयोजन के संयोजक विधायक नरेंद्र मेहता ने कहा कि कथा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने और लोगों को आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है। श्रीमद्भागवत कथा जीवन की समस्याओं को सुलझाने, व्यक्तिगत शांति और आध्यात्मिक उन्नति का माध्यम है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अनुरोध किया कि अपने आध्यात्मिक जीवन को पोषित करने के लिए श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण अवश्य करें।

श्रीराम कथा महोत्सव का भव्य आयोजन

डीबीडी संवाददाता | विरार

सनातन धर्म सेवा प्रतिष्ठान के तत्वावधान में भरत चौधरी वाड़ी, सहकार नगर में सरस संगीतमयी श्रीराम कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन रविवार, 9 नवम्बर से प्रारंभ होकर 16 नवम्बर तक चलेगा। प्रसिद्ध कथा वाचक श्री निर्मल शरण जी महाराज (श्रीधाम अयोध्या) के मुखारविंद से यह कथा प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक होगी। समापन दिवस पर कथा विश्राम, हवन और भव्य महाभंडारे का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम से पूर्व 9 नवम्बर को भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसका नेतृत्व ईच्छापूर्ति दुर्गा माता मंदिर महिला मित्र मंडल की अध्यक्षा प्रेम लता पांडे (बेबी) करेंगी। यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु और महिला भक्त मंडल भाग लेंगे, जिससे पूरा नगर "जय श्रीराम" के जयघोष से गुंजायमान होगा।

धार्मिक उत्सव में झलकेगी भक्ति और एकता की भावना

इस आयोजन में मुख्य यजमान सुरेन्द्र मिश्रा, मुख्य उपस्थिति भरत चौधरी, समिति अध्यक्ष रतन तिवारी, उपाध्यक्ष रामू यादव, कोषाध्यक्ष शिवकुमार गिरी, संयोजक संतोष मिश्रा (गोरई), सचिव राकेश मौर्या, कार्याध्यक्ष मोनू दुबे, संरक्षक निशाद चोरघे, तथा लक्ष्मीनारायण पांडे सहित कोर कमिटी के सदस्य एवं स्थानीय गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे। कथा स्थल को आकर्षक विद्युत सजावट और पुष्पों से सुसज्जित किया जाएगा तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। श्री निर्मल शरण जी महाराज अपने प्रवचनों में श्रीराम के आदर्श जीवन से समाज में धर्म, नैतिकता और सेवा भाव को जागृत करने का संदेश देंगे। सनातन धर्म सेवा प्रतिष्ठान ने श्रद्धालुओं से परिवार सहित कथा में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ लेने का आग्रह किया है। इस आयोजन से विरार में भक्ति, एकता और सांस्कृतिक सौहार्द का वातावरण निर्मित होगा।

मुंबई सेंट्रल डिपो में ड्राइवर-कंडक्टर विश्राम गृह पर विवाद

मंत्री प्रताप सरनाईक ने दिया लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई का निर्देश

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

परिवहन मंत्री और एसटी निगम के अध्यक्ष प्रताप सरनाईक ने हाल ही में मुंबई सेंट्रल स्थित राज्य परिवहन निगम के आगार में आरक्षण कक्ष का उद्घाटन किया था। इस मौके पर उन्होंने ड्राइवर-कंडक्टरों के लिए बनाए गए वातानुकूलित विश्राम कक्ष को तत्काल उपयोग में लाने का निर्देश दिया था। लेकिन दो सप्ताह बीत जाने के बाद भी विश्राम गृह नहीं खोला गया, जिसके चलते सरनाईक ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश जारी किए हैं।

अधूरा कार्य का बहाना, लेकिन निरीक्षण में मिली हकीकत

यह विश्राम गृह लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के फंड से तैयार किया गया था। एसटी अधिकारियों का दावा था कि विश्राम गृह का काम अधूरा है और निर्माण की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं है। लेकिन एसटी मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किए गए निरीक्षण में यह स्पष्ट हुआ कि काम पूरा हो चुका है। लंबे समय तक उपयोग न होने के कारण, नई बनी इमारत की दीवारों में सीलन आ गई और संरचना को नुकसान पहुँचा।

कर्मचारी संगठन ने की जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग

मुंबई सेंट्रल डिपो में यह विश्राम गृह खास तौर पर ड्राइवरों और कंडक्टरों की सुविधा के लिए बनाया गया था। लेकिन उपयोग न होने से कर्मचारियों में असंतोष फैल गया है। महाराष्ट्र एसटी कर्मचारी कांग्रेस के महासचिव श्रीरंग बर्गे ने मांग की है कि जिन अधिकारियों ने विश्राम गृह को समय पर चालू नहीं किया, उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए ताकि कर्मचारियों को अपनी सुविधाओं से वंचित न रहना पड़े।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष सुख के साधन जुटेंगे। भूमि व भवन की योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। संतान की प्रगति होगी। व्यापार-व्यवसाय में प्रगतिकारक वातावरण का सृजन होगा। पारिवारिक स्थिति आनंददायक रहेगी। मन प्रफुल्लित रहेगा।

वृष विवाद व जल्दबाजी से बचें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें। अधूरे काम समय से पूरे होने के योग हैं। नए कार्यों से लाभ के मार्ग प्रशस्त होंगे। धन का संग्रह होगा।

मिथुन तीर्थयात्रा हो सकती है। सत्संग का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा। नवीन योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए दिन अच्छा होने की संभावना है। प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। परिवार में मेल-मिलाप बढ़ेगा।

कर्क संतान पक्ष की चिंता रहेगी। चोट व दुर्घटना से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। खर्च का बोझ बढ़ेगा। किसी पर अत्यधिक भरोसा न करें। व्यापार, नौकरी में अड़चनें आने से मनोबल में कमी आ सकती है।

सिंह प्रेम में सफलता मिलेगी। प्रयास सफल रहेंगे। रुके कार्यों में गति आएगी। मान-सम्मान मिलेगा। धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सुख एवं पत्नी के सहयोग से मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। किसी से बहस न करें।

कन्या लेनदारी वसूल होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विशेष लाभ का योग है। आर्थिक उन्नति होगी। सामाजिक उत्तरदायित्व की पूर्ति करेंगे। ईश्वर के प्रति श्रद्धा बढ़ेगी।

तुला प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। बाहर सहायता से काम होंगे। प्रसन्नता रहेगी। संतान के संबंध में संतोष रहेगा। व्यावसायिक अथवा आजीविका संबंधी समस्या का समाधान हो सकेगा। पुरुषार्थ का पूर्ण फल मिलेगा। थकान रहेगी। शत्रु भय रहेगा।

वृश्चिक यात्रा में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। दुःखद समाचार मिल सकता है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर संयम रखें। विरोधियों से सावधान रहें। परिवार की परेशानी का हल संभव है। भागीदारी के कामों में सफलता मिलेगी।

धनु अतिथियों का आवागमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। आत्मसम्मान बना रहेगा। सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभा सकेंगे। पारिवारिक सुख-शांति बरकरार रहेगी। जोखिम के कार्यों से दूर रहें। यात्रा होगी।

मकर कुसंगति से बचें। फालतू खर्च होंगे। लेन-देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें। संतान की गतिविधियों पर नजर रखना होगी। कामकाज का बोझ बढ़ने से व्यापार पर विपरीत असर हो सकता है। वाद-विवाद से दूर रहें।

कुंभ घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। रुके कार्यों में गति आएगी। माता के स्वास्थ्य की ओर ध्यान देना आवश्यक। पुराने रुके कामों, लेनदेन में सफलता की संभावना है। रोमांस में सफलता मिलेगी।

मीन अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। जोखिम उठाएं। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। सोच-समझकर कार्य करना लाभप्रद रहेगा। पुरुषार्थ सफल होगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखना चाहिए। व्यापार में नवीन प्रस्ताव मिलेंगे।

घर निर्माण के अचूक उपाय और टोटके: भूमि से लेकर गृहप्रवेश तक के अद्भुत रहस्य, जो बदल सकते हैं भाग्य

प्रियंका जैन
9769994439

भारतीय संस्कृति में घर बनाना केवल एक आर्थिक प्रक्रिया नहीं बल्कि एक आध्यात्मिक कर्म है। यह वह स्थान होता है जहां जीवन की शुरुआत होती है, रिश्ते जुड़ते हैं और भाग्य की दिशा निर्धारित होती है। ऐसा कहा गया है कि यदि भूमि, ग्रह और वास्तु के नियमों का पालन करते हुए भवन का निर्माण किया जाए, तो वह घर न केवल सुंदर बल्कि धन-समृद्धि, शांति और सौभाग्य का केंद्र बन जाता है। परंतु यदि इन नियमों की अनदेखी की जाए, तो वही घर कष्ट, रुकावट और दुर्भाग्य का कारण बन सकता है। इसलिए प्राचीन शास्त्रों, वास्तु और ज्योतिष ने कुछ ऐसे अचूक उपाय और टोटके बताए हैं जिन्हें अपनाकर कोई भी व्यक्ति अपने भवन निर्माण को सफल, मंगलकारी और बाधारहित बना सकता है।

भवन निर्माण की शुरुआत सबसे पहले भूमि पूजन से की जानी चाहिए। यह पूजन ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा में शुभ मुहूर्त में किया जाना चाहिए, क्योंकि यही दिशा भगवान शिव, विष्णु और ब्रह्मा की मानी गई है। इस दिशा से नींव की खुदाई करने पर देवशक्ति का आशीर्वाद मिलता है और घर की नींव स्थायी बनती है। इसके विपरीत यदि निर्माण की शुरुआत दक्षिण-पश्चिम दिशा से की जाती है तो राहु-केतु और पितृदोष की बाधाएँ सक्रिय हो जाती हैं, जिससे निर्माण कार्य रुक सकता है या बार-बार अड़चनें आ सकती हैं। नींव पूजन के समय मिट्टी के कलश में तुलसी की जड़ रखना अत्यंत शुभ माना गया है। तुलसी धरती की शुद्धता का प्रतीक है और उसकी ऊर्जा भवन को नकारात्मक प्रभावों से बचाती है। नींव भरते समय शहद से भरा एक पात्र डालना भी विशेष फलदायक होता है। शहद मधुरता और एकता का प्रतीक है, जिससे घर में रहने वाले लोगों के बीच प्रेम और सौहार्द बना रहता है।

कभी-कभी ऐसा होता है कि भूमि पूजन के बाद भी निर्माण में विलंब होने लगता है या धन की व्यवस्था बिगड़ जाती है। ऐसे में ईशान कोण में अनार का पौधा शुभ मुहूर्त में लगाना चाहिए, विशेषकर जब गुरु-पुष्य या रोहिणी नक्षत्र चल रहा हो। अनार का पौधा मंगल ग्रह से संबंधित होता है जो भूमि और निर्माण कार्य का कारक है। इस पौधे के रोपण से मंगल की ऊर्जा सक्रिय होती है और बाधाएँ स्वतः दूर होने लगती हैं। इसके साथ ही ब्रह्मस्थान अर्थात प्लॉट के केंद्र में तुलसी का पौधा रोपकर प्रत्येक गुरुवार को कच्चा दूध, धूप और दीप अर्पित करना चाहिए। ऐसा करने से भूमि का दोषण समाप्त होता है और निर्माण कार्य में तेजी आने लगती है। यदि निर्माण के दौरान या उससे पहले किसी प्रकार का ग्रहदोष या वास्तु बाधा दिखाई दे, तो शास्त्रों में उसके निवारण के लिए कुछ गूढ़ टोटके बताए गए हैं। इनमें सबसे प्रभावी उपाय यह है कि लाल कपड़े में छह चुटकी कुमकुम, छह लौंग, नौ बिंदियाँ, छह कौड़ियाँ और नौ मुट्ठी शुद्ध मिट्टी बांधकर एक पोटली बनाएं और उसे किसी पवित्र नदी में प्रवाहित करें।

(क्रमशः)

न्यूज़ ब्रीफ

मदरसा संचालकों ने फीस के लिए युवक को पीटा

संभल। उत्तर प्रदेश के जनपद संभल में हजरतनगर गढ़ी थाना अंर्तगत कस्बा सिरसी में ट्यूशन फीस न दे पाने पर एक युवक के साथ पिटाई का मामला सामने आया है। इस आरोप में मदरसा संचालकों पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। वहीं पिटाई से घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सिरसी के रहने वाले मोहम्मद फहीम ने बताया कि उसके पड़ोस में कुछ लोगों ने बच्चों को पढ़ाने के लिए मदरसा खोला है। फहीम का आरोप है कि मदरसा संचालक उससे ट्यूशन फीस के नाम पर रुपये की मांग करते थे। रविवार को जब फहीम ने पैसे देने से इनकार किया तो मदरसा संचालक और परिजनों ने उस पर हमला कर दिया। फहीम का कहना है कि रजाउल, रियाजुल, नाजिर हुसैन और मुनाजिर सहित कई लोगों ने घर के बाहर आकर उसे लाठी-डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद हमलावर फरार हो गए। सूचना मिलने पर हजरतनगर गढ़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी जुटाई। थाना प्रभारी अनुज तोमर ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर आरोपितों के खिलाफ मारपीट और धमकी देने का मामला दर्ज कर लिया है। जांच के आधार पर आरोपितों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जौनपुर में युवक की गोली मारकर हत्या

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर के सरायख्वाजा थाना के कडैला गांव में एक युवक की अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस अधीक्षक (देहात) आतिश कुमार सिंह ने बताया कि शनिवार की रात एक युवक को बदमाशों द्वारा गोली मार देने की सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस टीम पहुंचकर घायल युवक को उपचार हेतु जिला अस्पताल भिजवाया गया, जहाँ उपचार के दौरान मखन्चू की मौत हो गयी।मृतक के परिजनों की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस अधीक्षक डा. कौस्तुभ द्वारा घटना का खुलासा करने के लिए चार टीमों का गठन किया गया है। घटना का कारण अभी तक पता नहीं चल सका है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

वाराणसी में वाहन की टक्कर से दो की मौत

वाराणसी। वाराणसी के लोहता थाना क्षेत्र में रविवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गई। खेवशीपुर गांव के पास रिंग रोड फेज-2 पर अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही एक व्यक्ति की जान चली गई, जबकि दूसरे ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान भड़ाव गांव निवासी रामविलास गुप्ता (40) और सहती यादव (52) के रूप में हुई है। दोनों किसी काम से अकेलवा से लोहरापुर जा रहे थे। करीब सुबह तीन बजे खेवशीपुर गांव के सामने हादसा हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सड़क किनारे कई मीटर तक घिसटती चली गई। घटना की सूचना मिलते ही लोहता थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि दुर्घटना करने वाले वाहन और चालक की तलाश की जा रही है। हादसे की खबर मिलते ही दोनों मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया। पुलिस ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज के जरिए वाहन की पहचान करने की कोशिश जारी है।

बिहार के चुनावी माहौल में बवाल: मनोज तिवारी के काफिले पर हमला

एजेंसी । पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के बीच बक्सर जिले के डुमरांव में शनिवार शाम उस वक्त हड़कंप मच गया, जब बीजेपी सांसद और फिल्म अभिनेता मनोज तिवारी के रोड शो के दौरान उनके काफिले पर हमला हो गया। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण में लिया।

वाहनों पर राजद का झंडा लगाने की कोशिश

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना अरियाव ब्रह्म बाबा स्थान के पास हुई, जब मनोज तिवारी राजग उम्मीदवार राहुल सिंह के समर्थन में रोड शो कर रहे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने राजद के नारे लगाते हुए हंगामा शुरू किया, जिसके बाद भीड़ ने उनके वाहनों पर डंडों से हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने वाहनों पर राजद के झंडे लगाने की भी कोशिश की। मनोज तिवारी ने इस घटना को श्लोकतंत्र पर हमलाश करार देते हुए कहा, "हमारे वाहनों को घेरा गया, शीशे तोड़ने की कोशिश की गई। ड्राइवरों को किसी तरह गाड़ियां तेजी से निकालनी पड़ीं।

चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश

भाजपा सांसद ने चुनाव आयोग और प्रशासन से तुरंत कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह हिंसा चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर, राजद ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि यह भाजपा की "राजनीतिक नौटंकी" है और तिवारी खुद विवादों से घिरे रहते हैं।

केस दर्ज कर खंगाले जा रहे फुटेज

इस बीच, बक्सर के पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और वीडियो फुटेज खंगाले जा रहे हैं। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है ताकि माहौल शांत रहे। घटना के बाद से राजग और महागठबंधन के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं, जिससे चुनावी माहौल और गरमा गया है।

51 करोड़ मतदाताओं की सूची होगी शुद्धः ज्ञानेश कुमार

कानपुर पहुंचे मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा— चुनाव आयोग पूरी तरह से निष्पक्ष

कानपुर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि बिहार विधानसभा चुनाव में हिंसा या अराजकता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि आयोग ने चुनावी प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, पारदर्शी और भयमुक्त बनाने के लिए सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतज़ाम किए हैं। रविवार को आईआईटी कानपुर के फाउंडेशन डे समारोह में शामिल होने के दौरान उन्होंने कहा कि "चुनाव आयोग के लिए न कोई पक्ष है, न विपक्ष — सब समान हैं।" उन्होंने बताया कि बिहार में पहले चरण का मतदान 6 नवंबर को, दूसरा चरण 11 नवंबर को और मतगणना 14 नवंबर को होगी।

बिहार में सख्त निगरानी, हिंसा पर जीरो टॉलरेंस

ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बिहार चुनाव में हिंसा फैलाने या मतदाताओं को डराने की कोशिश करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि आयोग ने 243 रिटर्निंग ऑफिसर, पर्यवेक्षक, जिलाधिकारी और पुलिस कप्तानों की टीमें पूरी तरह सक्रिय कर दी हैं। "मतदाता निर्भय होकर मतदान करें, उनकी सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है," उन्होंने कहा। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि बिहार चुनाव के बाद अब पूरे देश में 51 करोड़ मतदाताओं की सूची का शुद्धिकरण (Special Intensive Revision - SIR) किया जाएगा। उन्होंने कहा, "हमारी कोशिश है कि देश के हर मतदाता का नाम सही तरीके से दर्ज हो। यह सुधार अभियान वैश्विक स्तर पर पारदर्शिता की मिसाल बनेगा।"

बम की सूचना पर अलीगढ़ में रोकी गई ट्रेन

एजेंसी । अलीगढ़

आतंकवादी और बम होने की जानकारी मिलने पर उत्तर प्रदेश के जनपद अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर रविवार सुबह विक्रमशिला ट्रेन को रोकी गई। सूचना पाकर आरपीएफ-जीआरपी ने ट्रेन की सघन तलाशी ली। ट्रेन में कुछ भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, जिसके 42 मिनट के बाद ट्रेन को गंतव्य के लिए रवाना किया।

रेलवे कंट्रोल रूम को मिली बम की सूचना

आरपीएफ के सहायक आयुक्त गुलजार सिंह ने बताया कि रेलवे कंट्रोल रूम को सुबह 5:20 बजे भागलपुर से आनंद विहार जा रही नॉनस्टॉप (12367) विक्रमशिला एक्सप्रेस ट्रेन में आतंकवादी और बम होने की सूचना मिली।

बम निरोधक दस्ते ने की सघन जांच

सूचना पाकर आरपीएफ और जीआरपी के प्रभारी निरीक्षक संदीप तोमर, डॉग स्क्वायड व बमनिरोधक दस्ते की मदद से संयुक्त सघन चेकिंग की। इस दौरान कोई भी संदिग्ध व्यक्ति, विस्फोटक आदि सामान नहीं मिला। इसके बाद ट्रेन को रवाना किया गया। कई ट्रेनों की जांच की गई। दो दिनों पहले भी एक ट्रेन में बम की अफवाह ने परेशान किया था।

एक करोड़ रोजगार सिर्फ वादा नहीं हमारा संकल्प: नरेंद्र मोदी

आरा में गरजे प्रधानमंत्री, विपक्ष पर किया तीखा प्रहार

बोले — 'विकसित बिहार ही विकसित भारत की नींव'

पटना/आरा। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरा से अपने चुनावी अभियान की शुरुआत करते हुए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के विज़न और वादों को जनता के सामने रखा। मोदी ने कहा कि "एक करोड़ रोजगार देने का वादा सिर्फ घोषणा नहीं, बल्कि इसे साकार करने की ठोस योजना तैयार है।" उन्होंने कहा कि बिहार के युवाओं को अब पलायन नहीं करना पड़ेगा — राजग का लक्ष्य है कि बिहार के युवा, बिहार में ही काम करें और राज्य का गौरव बढ़ाएं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बिहार का विकास ही भारत के विकास की कुंजी है। उन्होंने कहा, विकसित बिहार, विकसित भारत की नींव है।

तेजस्वी और कांग्रेस पर तंज

मोदी ने राजद-कांग्रेस गठबंधन पर व्यंग्य करते हुए कहा, कांग्रेस की कनपटी पर कट्टा रखकर तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित कराया गया। कांग्रेस खुद इस फैसले से खुश नहीं थी। जब चुनाव से पहले ही इतना झगड़ा है, तो चुनाव के बाद क्या हाल होगा — ये सब जानते हैं।

मऊ के रहने वाले IPS अखिलेश सिंह को वीरता सम्मान

मणिपुर में शांति बहाली और असम में अदम्य साहस के लिए मिला सम्मान

असम पुलिस इंस्पेक्टर जनरल के पद पर तैनात हैं मऊ के लाल अखिलेश सिंह

एजेंसी । मऊ

उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के मुरारपुर गांव के लाल और असम पुलिस में आईजी (इंस्पेक्टर जनरल) के पद पर तैनात अखिलेश कुमार सिंह ने एक बार फिर अपने अदम्य साहस और नेतृत्व क्षमता का लोहा मनवाया है। उन्हें राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर न केवल केंद्रीय गृह मंत्री दक्षता पदक 2025, बल्कि मणिपुर डीजीपी प्रशंसा पदक 2025 से भी सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें मानवता, वीरता और प्रशासनिक दक्षता के उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए दिया गया। उनकी इस उपलब्धि से न सिर्फ असम पुलिस, बल्कि पूरा मऊ जिला गर्व से सराबोर है।

डायन कांड के दोषियों को दिलाई सजा

अखिलेश सिंह को दक्षता पदक उस मामले में मिला जिसमें उन्होंने असम के शिवसागर जिले में एक निर्दोष महिला को "डायन" बताकर जिंदा जलाए जाने की घटना के बाद, 24 घंटे के भीतर मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। उन्होंने न केवल गांव में सुरक्षा व्यवस्था बहाल की, बल्कि गहन जांच, साक्ष्य और गवाहों के बयानों के आधार पर अदालत से 23 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस प्रकरण को असम सरकार ने "न्याय की मिसाल" बताया था।

मणिपुर में शांति बहाली का मिशन

साल 2023 में मणिपुर में भड़की जातीय हिंसा के दौरान अखिलेश सिंह को इंफाल भेजा गया था, जहां उन्होंने फंसे हुए असम के सैकड़ों नागरिकों को सुरक्षित निकाला। इसके बाद उन्होंने 2,000 से अधिक मणिपुर पुलिसकर्मियों के प्रशिक्षण की व्यवस्था असम में करवाई और राज्य में शांति बहाली की रणनीति में केंद्रीय भूमिका निभाई। उनके इस असाधारण योगदान के लिए उन्हें मणिपुर डीजीपी प्रशंसा पदक से सम्मानित किया गया — जो कि किसी दूसरे राज्य के अधिकारी को दिया जाना अत्यंत दुर्लभ है। मऊ के मधुबन तहसील के छोटे से गांव मुरारपुर में 1979 में जन्मे अखिलेश कुमार सिंह, एक शिक्षक पिता कृष्ण मुरारी सिंह और गृहिणी मां सुनैना सिंह के पुत्र हैं।

नाबालिग छात्रा ने की स्कूल बस चालक से शादी, बाद में दोनों ने खाया जहर

गोरखपुर। गोरखपुर जिले के गुलरिहा क्षेत्र में 11वीं कक्षा की एक छात्रा ने अपने स्कूल के एक बस चालक से मंदिर में शादी कर ली। पकड़े जाने के डर से दोनों ने कथित तौर पर जहर खाकर आत्महत्या की कोशिश की। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि नाबालिग छात्रा ने अपने ही स्कूल के 23 वर्षीय बस चालक अभिषेक शर्मा उर्फ हैप्पी के साथ जाकर एक स्थानीय मंदिर में शादी कर ली और बृहस्पतिवार को पकड़े जाने के डर से दोनों ने कीटनाशक खा लिया। सूत्रों ने बताया कि दोनों ने अपनी कलाई भी काट ली। उन्होंने बताया कि छात्रा और बस चालक को गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है जहां अभिषेक की हालत गंभीर बतायी जाती है। वहीं, लड़की की हालत स्थिर है। सूत्रों ने बताया कि जहर खाने से पहले अभिषेक ने लड़की के साथ एक वीडियो रिकॉर्ड किया और ''उसमें उसने कहा कि वे साथ नहीं रह सकते लेकिन उन्हें साथ मरने से कोई नहीं रोक सकता।'' सूत्रों के मुताबिक, वह वीडियो अभिषेक के रिश्तेदारों को भेजा गया जिन्होंने तुरंत उसके पिता को सूचित किया। वह मौके पर पहुंचे और दोनों को बेहोश पाया। गुलरिहा के थानाध्यक्ष विजय प्रताप सिंह ने कहा कि अभी तक दोनों परिवारों ने कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई है। कोई भी कानूनी कार्रवाई शुरू करने से पहले लड़की की उम्र का सत्यापन किया जा रहा है।

व्यापार जगत

भारत के लिए बाहरी दुनिया बन सकती है सबसे बड़ा खतरा, मॉर्गन स्टैनली के अर्थशास्त्री रिधम देसाई की चेतावनी — कहा, नियंत्रण के बाहर हैं कई बड़ी चुनौतियां

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत की आर्थिक रफ्तार आज दुनिया की सबसे तेज़ मानी जा रही है। सुधारों, निवेश और मजबूत घरेलू खपत के बल पर भारत एक नई आर्थिक ऊँचाई की ओर बढ़ रहा है। लेकिन, इस आत्मविश्वास के बीच एक गंभीर चेतावनी भी आई है। मॉर्गन स्टैनली के मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ इंडिया इक्विटी स्ट्रैटेजिस्ट रिधम देसाई ने कहा है कि भारत भले ही मजबूत स्थिति में है, परंतु देश के लिए सबसे बड़े खतरे उसकी सीमाओं के बाहर छिपे हैं। उन्होंने साफ कहा कि दुनिया में जो बड़े आर्थिक और जनसंख्या संबंधी संकट बन रहे हैं, वे आने वाले समय में भारत की स्थिरता और विकास दोनों के लिए चुनौती बन सकते हैं। बिजनेस स्टैंडर्ड बीएफएसआई समिट में बोलते हुए देसाई ने कहा, "भारत की घरेलू स्थिति मजबूत है। हमारी कंपनियों की बैलेंस शीट साफ-सुथरी है, परिवारों पर कर्ज का बोझ नहीं है और आर्थिक सुधारों से विकास की रफ्तार बनी हुई है। लेकिन, भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा बाहरी दुनिया है। बहुत कुछ गलत हो सकता है — और इनमें से ज़्यादातर चीज़ें भारत के नियंत्रण में नहीं हैं।" उन्होंने कहा कि वर्तमान में पूरी दुनिया रिकॉर्ड कर्ज के बोझ तले दबी हुई है, जनसंख्या तेजी से

बूढ़ी हो रही है और भू-राजनीतिक समीकरणों में लगातार अस्थिरता बढ़ रही है। देसाई के अनुसार, "यह तीनों बातें मिलकर एक ऐसा माहौल बना रही हैं जिसमें कोई भी देश — चाहे वह कितना ही सक्षम क्यों न हो — पूरी तरह सुरक्षित नहीं रह सकता।" उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत की आर्थिक सेहत फिलहाल दुनिया की तुलना में काफी बेहतर है। "मैं इस धारणा से सहमत नहीं हूं कि भारतीय परिवारों की बैलेंस शीट पर बोझ है। हमारी घरेलू स्थिति बहुत स्थिर है। जो लोग मानते हैं कि भारत आर्थिक रूप से कमजोर है, वे शायद पुराने नजरिए से चीजें देख रहे हैं," देसाई ने कहा। भारत के पास आज विकास के कई आसान अवसर हैं। देसाई के शब्दों में, "हमें किसी बड़े कानून या कठिन नीति की जरूरत नहीं है। हमें बस मौजूदा अवसरों को पहचानकर उन्हें अपनाना है। अचानक आपको बहुत बड़े विकास की संभावनाएं दिखने लगेंगी।" रिधम देसाई ने भारत की सबसे बड़ी ताकत के रूप में उसकी युवा आबादी को बताया। उन्होंने कहा, दुनिया की आबादी घट रही है और बूढ़ी हो रही है, लेकिन भारत की आबादी जवान है। यही हमारी सबसे बड़ी ढाल है।

चार कंपनियों का मार्केट कैप 95000 हजार करोड़ बढ़ा

रिलायंस इंडस्ट्रीज को बड़ा फायदा, छह कंपनियों को हुआ नुकसान

आधा दर्जन कंपनियों के मार्केट कैप में 91 हजार करोड़ की गिरावट

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में बीते कारोबारी हफ्ते में उतार-चढ़ाव के बीच देश की टॉप 10 कंपनियों में से 4 कंपनियों के मार्केट कैप में 95 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इनमें सबसे ज्यादा फायदा रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। हालांकि, बाकी 6 कंपनियों के मार्केट कैप में करीब 91 हजार करोड़ रुपए की गिरावट देखी गई।

रिलायंस, एयरटेल, SBI और LIC को फायदा

27 से 31 अक्टूबर के बीच हुए कारोबार में रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 47,431 करोड़ रुपए बढ़कर 20.11 लाख करोड़ रुपए हो गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को 30,091 करोड़ रुपए का फायदा हुआ, जिससे इसका मार्केट कैप 8.64 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। भारती एयरटेल का मार्केट कैप 14,540 करोड़ रुपए की बढ़त के साथ 11.71 लाख करोड़ रुपए पर पहुंचा। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में भी 3,383 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई और इसका मार्केट कैप 5.65 लाख करोड़ रुपए हो गया। दूसरी ओर, एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, इंफोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर को झटका लगा। सबसे ज्यादा गिरावट बजाज फाइनेंस में रही, जिसका मार्केट कैप 29,090 करोड़ रुपए घटकर 6.48 लाख करोड़ रुपए रह गया। आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 21,618 करोड़ रुपए घटा, जबकि इंफोसिस में 17,822 करोड़ रुपए, हिंदुस्तान यूनिलीवर में 11,924 करोड़ रुपए, एचडीएफसी बैंक में 9,547 करोड़ रुपए और टीसीएस में 1,682 करोड़ रुपए की गिरावट दर्ज की गई।

मुंबई में सर्जिकल इनोवेशन की नई उड़ान, एसएसआईआई मंत्रा बना आकर्षण का केंद्र

मुंबई। भारत में सर्जिकल इनोवेशन को नई दिशा देते हुए एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल इंक ने एसोसिएशन ऑफ कार्डियक सर्जन्स, मुंबई के सहयोग से आधुनिक कार्डियक सर्जिकल केयर पर रोबोटिक कंटीन्युइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में भारत के स्वदेशी एसएसआईआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम के जरिए रोबोटिक कार्डियक सर्जरी में आए क्रांतिकारी बदलावों को प्रदर्शित किया गया। इस आयोजन में देश-विदेश से 300 से अधिक

कार्डियक सर्जन, डॉक्टर और विशेषज्ञ शामिल हुए। इसमें डॉ टी. स्लोआने गाय (यूएसए), डॉ विश्वास पास्कल श्रीवास्तव, डॉ रित्विक भूयन, डॉ अन्वय मुलय और डॉ सुधीर श्रीवास्तव जैसे प्रमुख विशेषज्ञों ने भाग लिया। डॉ सुधीर श्रीवास्तव, संस्थापक और सीईओ, एसएस इनोवेशन्स ने कहा कि "एसएसआईआई मंत्रा" भारत को चिकित्सा तकनीक में आत्मनिर्भर बना रहा है और रोबोटिक सर्जरी को अधिक सुलभ व किफायती बना रहा है। वहीं डॉ देवेंद्र सक्सेना (यूएसए) ने इसे मरीज़ों की देखभाल में नए मानक स्थापित करने वाला बताया। कार्यक्रम ने यह दर्शाया कि एसएसआईआई मंत्रा जैसी स्वदेशी तकनीकें सर्जरी की सटीकता, रिकवरी टाइम और हेल्थकेयर की गुणवत्ता में क्रांतिकारी सुधार ला रही हैं, जिससे भारत वैश्विक सर्जिकल टेक्नोलॉजी में अग्रणी बन रहा है।

सोना अब सिर्फ गहना नहीं, कमाई का जरिया भी अलमारी में नहीं, 'काम' पर लगाएं अपनी कीमती पूंजी

एजेंसी । नई दिल्ली

धनतेरस और दिवाली पर लाखों भारतीय सोना खरीदते हैं, लेकिन यही सोना सालों तक अलमारी या बैंक के लॉकर में बंद रहकर 'डेड एसेट' बन जाता है। अब समय है इसे सक्रिय संपत्ति में बदलने का। सरकार और निजी प्लेटफॉर्म्स ने ऐसे कई विकल्प दिए हैं, जिनसे आप अपना सोना बेचे बिना ही हर साल 2% से 5% तक की कमाई कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि कैसे आपका यह पीला खजाना आपकी आर्थिक ताकत का आधार बन सकता है।

गोल्ड लीजिंग: सोना 'किराए' पर देकर पाएं सालाना रिटर्न

अब सोना केवल पहनने या सहेजने की चीज़ नहीं रहा। डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे SafeGold या Augmont के जरिए आप अपना डिजिटल या भौतिक सोना ज्वैलर्स को निश्चित अवधि के लिए लीज (पट्टे) पर दे सकते हैं। इस लीज अवधि के दौरान ज्वैलर्स इसे अपने वर्किंग कैपिटल के रूप में इस्तेमाल करते हैं और बदले में आपको 2% से 5% तक का सालाना रिटर्न देते हैं। खास बात यह है कि यह रिटर्न सोने के ग्राम में मिलता है, जिससे अगर सोने का भाव बढ़े, तो आपके रिटर्न का मूल्य भी बढ़ जाता है। यह तरीका पूरी तरह सुरक्षित और पारदर्शी माना जाता है।

गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम (GMS): सरकार की स्कीम से सोने को बनाएं 'आमदनी का साधन'

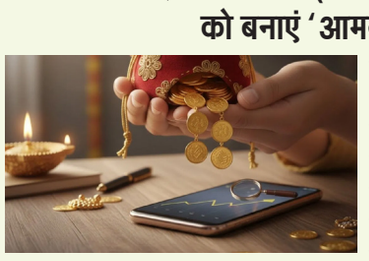

सरकार की गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम (GMS) आपके लॉकर में रखे सोने को 'जागृत संपत्ति' बना सकती है। इस योजना के तहत आप अपने सोने के गहने, सिक्के या बिस्किट बैंक में जमा कर सकते हैं। बैंक आपको इस पर सालाना 2.25% से 2.5% तक ब्याज देता है, जो नकद या सोने के रूप में मिल सकता है। हालांकि मार्च 2025 से इस योजना के मीडियम और लॉन्ग टर्म डिपॉजिट विकल्प बंद हो गए हैं, लेकिन 1 से 3 साल की शॉर्ट टर्म स्कीम अब भी जारी है। यह उन लोगों के लिए आदर्श विकल्प है, जो अपना सोना सुरक्षित रखना चाहते हैं और साथ ही उस पर कुछ कमाई भी चाहते हैं। कई बार जीवन में अचानक आर्थिक जरूरत आ जाती है — जैसे मेडिकल इमरजेंसी, बिजनेस घाटा या बच्चों की पढ़ाई का खर्च।

नजमुल हुसैन शांतो पर फिर जताया भरोसा

बने रहेंगे बांग्लादेश टेस्ट टीम के कप्तान

ढाका/नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने एक बार फिर नजमुल हुसैन शांतो पर भरोसा जताते हुए उन्हें 2027 तक बांग्लादेश टेस्ट टीम की कमान सौंप दी है। यह फैसला बीसीबी की उस रणनीति को दर्शाता है, जिसमें टीम के लाल गेंद क्रिकेट में स्थिरता और दीर्घकालिक दृष्टिकोण को प्राथमिकता दी जा रही है।

शांतो ने जून 2024 में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज हार के बाद कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, उनके नेतृत्व कौशल और खेल के प्रति समर्पण को देखते हुए बोर्ड ने उन्हें फिर से जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय लिया।

बीसीबी अध्यक्ष मोहम्मद अमीनुल इस्लाम ने कहा

"शांतो ने टेस्ट क्रिकेट में जिस धैर्य, अनुशासन और समझदारी का प्रदर्शन किया है, वह बांग्लादेश क्रिकेट के लिए प्रेरणादायक है। हमने उनके नेतृत्व में टीम में आत्मविश्वास और निरंतर सुधार देखा है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप चक्र के दौरान स्थिर नेतृत्व बेहद अहम है, और शांतो इस भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ विकल्प हैं।"

शांतो ने कप्तानी पर जताई खुशी

"यह मेरे करियर का सबसे गर्वित क्षण है। अपने देश का नेतृत्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं बोर्ड का आभारी हूं कि उन्होंने मुझ पर दोबारा भरोसा जताया। यह टीम प्रतिभाशाली खिलाड़ियों से भरी हुई है, और मुझे विश्वास है कि आने वाला टेस्ट सीजन हमारे लिए यादगार रहेगा।" शांतो ने आगे कहा कि टीम इस महीने के अंत में आयरलैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज को लेकर पूरी तरह तैयार है।

2023 में पहली बार संभाली थी कप्तानी

गौरतलब है कि नजमुल हुसैन शांतो ने 2023 में पहली बार टेस्ट कप्तानी संभाली थी और अब तक 14 टेस्ट मैचों में बांग्लादेश की अगुवाई कर चुके हैं। युवा उम्र के बावजूद उन्होंने टीम को एकजुट रखने, कठिन परिस्थितियों में संयम बनाए रखने और घरेलू क्रिकेट में अनुकरणीय प्रदर्शन के जरिए खुद को सिद्ध किया है। बीसीबी के इस फैसले से साफ है कि बांग्लादेश अब अपने टेस्ट क्रिकेट को दीर्घकालिक दृष्टि से संवारने की दिशा में आगे बढ़ रहा है — और शांतो उस नई सोच के केंद्र में हैं।

भारत की धमाकेदार वापसी: वॉशिंगटन सुंदर बने मैच के हीरो

होबार्ट (ऑस्ट्रेलिया)। टीम इंडिया ने होबार्ट के बैलेरीव ओवल मैदान पर खेले गए तीसरे टी-20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से परास्त करते हुए शानदार जीत दर्ज की और पांच मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली। ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर की विस्फोटक पारी और अर्शदीप सिंह की धारदार गेंदबाजी भारतीय जीत के असली नायक साबित हुए।

गौरतलब है कि पहला मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था और दूसरा मैच ऑस्ट्रेलिया ने जीता था। अब यह जीत भारत को सीरीज में वापसी दिलाती है और दोनों टीमों के बीच अब मुकाबला बराबरी पर है। श्रृंखला के बचे तीन मुकाबले अब निर्णायक बन गए हैं, जहां भारत की नजर अब सीरीज पर कब्जा जमाने पर होगी। आज 187 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने ठोस शुरुआत की, लेकिन बीच ओवरों में कुछ झटकों से मैच रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया। अभिषेक शर्मा (25), शुभमन गिल (15) और कप्तान सूर्यकुमार यादव (24) के आउट होने के बाद भारत 8 ओवर में 70 के करीब पहुंचा। इसके बाद तिलक वर्मा (29) और अक्षर पटेल (17) ने स्कोर को स्थिर किया, मगर 111 रन पर दोनों के आउट होते ही टीम दबाव में आ गई।

केन विलियमसन ने टी 20 क्रिकेट को कहा अलविदा

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज और पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेकर एक गौरवशाली अध्याय का समापन कर दिया। अगले टी20 विश्व कप से महज चार महीने पहले लिया गया यह फैसला क्रिकेट जगत के लिए एक युग के अंत जैसा है।

35 वर्षीय विलियमसन ने 93 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 33.0 की औसत से 2,575 रन बनाए, जिनमें 18 अर्धशतक और 95 रन की सर्वोच्च पारी शामिल है। 2011 में पदार्पण करने वाले इस करिश्माई बल्लेबाज ने 75 मैचों में टीम की अगुवाई करते हुए न्यूजीलैंड को दो बार सेमीफाइनल (2016, 2022) और एक बार फाइनल (2021) तक पहुंचाया। विलियमसन ने अपने विदाई संदेश में कहा, "यह सफर मेरे लिए बेहद खास रहा। इतने वर्षों तक ब्लैक कैप्स की जर्सी पहनना गर्व की बात थी। अब समय है कि टीम अगले अध्याय की ओर बढ़े। मिच सैंटनर के नेतृत्व में यह टीम निश्चित रूप से नई ऊंचाइयों को छुएगी।"

टी20 से संन्यास लेने के बावजूद विलियमसन का बल्ला अब भी शांत नहीं होगा। वे फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट में सक्रिय रहेंगे और टेस्ट व वनडे प्रारूपों में खेलने को लेकर "खुले दिमाग" से निर्णय लेने की बात कह चुके हैं। फिलहाल वे नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की ओर से 26 नवंबर से प्लंकेट शील्ड में उतर सकते हैं और उनका अगला बड़ा लक्ष्य वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज (2 दिसंबर से) होगा।

सीईओ स्कॉट वीनिंक ने की सराहना

न्यूजीलैंड क्रिकेट के सीईओ स्काट वीनिंक ने कहा, "टी20 क्रिकेट में केन का योगदान असाधारण रहा है। उनकी कप्तानी, संयम और बल्लेबाजी ने टीम को नई दिशा दी। 2021 विश्व कप फाइनल में खेली गई उनकी 85 रनों की पारी हमेशा याद की जाएगी।" उन्होंने कहा, "विलियमसन हमारे सर्वकालिक महान क्रिकेटरों में से हैं। जब वे पूरी तरह क्रिकेट को अलविदा कहेंगे, उनका नाम न्यूजीलैंड के महानतम दिग्गजों की श्रेणी में दर्ज होगा।"

ऋषभ पंत ने खेली धुआंधार पारी

इंडिया ए ने साउथ अफ्रीका को तीन विकेट से रौंदा

बेंगलुरु। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए पहले अनौपचारिक टेस्ट में ऋषभ पंत की लाजवाब कप्तानी और 90 रनों की तूफानी पारी के दम पर इंडिया-ए ने साउथ अफ्रीका-ए को 3 विकेट से हराते हुए रोमांचक जीत दर्ज की। ऑलराउंडर तनुष कोटियान और अंशुल कंबोज ने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। टॉस जीतकर इंडिया-ए ने साउथ अफ्रीका को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। पहली पारी में अफ्रीकी टीम ने 309 रन बनाए। जवाब में इंडिया-ए की पारी 234 रन पर सिमट गई, जिससे साउथ अफ्रीका-ए को 75 रन की बढ़त मिल गई। दूसरी पारी में भारतीय गेंदबाजों ने कमाल दिखाया और मेहमान टीम को 199 रन पर ढेर कर दिया। इस तरह इंडिया-ए के सामने 275 रनों का लक्ष्य था।

पंत की पारी ने बनाया मजबूत आधार

कप्तान ऋषभ पंत ने 113 गेंदों पर 11 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 90 रनों की धमाकेदार पारी खेली। उनके आउट होने के बाद एक समय मैच साउथ अफ्रीका-ए की ओर झुक गया था, लेकिन अंशुल कंबोज (नाबाद 37 रन, 46 गेंद) और मानव सुथार (नाबाद 20 रन, 56 गेंद) ने समझदारी से खेलते हुए 50 रनों की नाबाद साझेदारी कर टीम को जीत दिला दी।

शाहपुर में गूंजा ताकत का जश्न: फैडरेशन कप पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2025 का आगाज

धर्मशाला। हिमाचल के शाहपुर क्षेत्र में रविवार से शक्ति, अनुशासन और खेल भावना का उत्सव शुरू हो गया। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रैत के प्रांगण में चार दिवसीय फैडरेशन कप क्लासिक एवं इक्विप्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2025 का भव्य उद्घाटन कृषि एवं पशुपालन मंत्री प्रो. चौधरी चंद्र कुमार ने किया। इस अवसर पर शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया, जो पावरलिफ्टिंग ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष और एचपीपीए अध्यक्ष भी हैं, विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री प्रो. चौधरी चंद्र कुमार ने कहा कि प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक प्रभावी योजनाएं चला रही है। उन्होंने कहा, "खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि में अभूतपूर्व वृद्धि की गई है ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकें। सरकार का लक्ष्य शिक्षा और खेल दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्टता सुनिश्चित करना है।" मंत्री ने प्रतियोगिता के सुचारू संचालन के लिए 1 लाख रुपये की अनुदान राशि और विद्यालय की सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रोत्साहन हेतु 21 हजार रुपये अतिरिक्त देने की घोषणा की।

शाहपुर के लिए यह गौरव का क्षण

उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने कहा कि यह शाहपुर के लिए गौरव की बात है कि राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी रैत को मिली है। उन्होंने देशभर से आए खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा, "यह आयोजन न केवल क्षेत्र की पहचान बढ़ाएगा, बल्कि युवाओं में फिटनेस और खेल के प्रति नई ऊर्जा भरेगा।"

बॉलीवुड

शाहरुख खान के जन्मदिन पर सिद्धार्थ आनंद ने दिया धमाकेदार तोहफा

SRK Day पर 'किंग' के साथ लौटा बादशाह

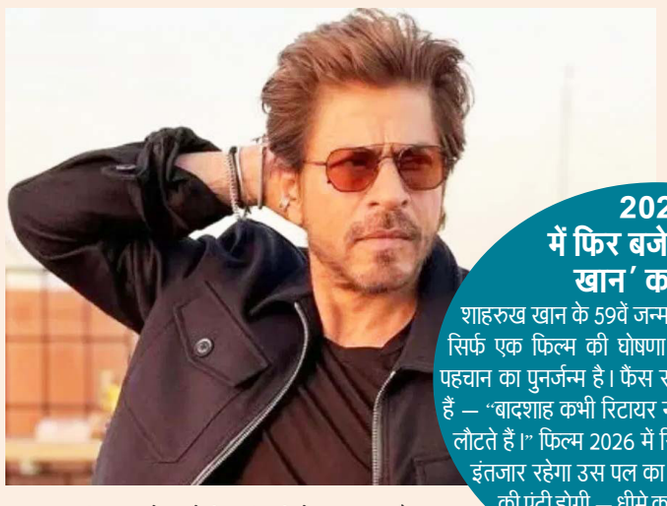

2026 में फिर बजेगा 'किंग खान' का डंका

शाहरुख खान के 59वें जन्मदिन पर जारी यह वीडियो सिर्फ एक फिल्म की घोषणा नहीं, बल्कि उनकी शाही पहचान का पुनर्जन्म है। फैंस सोशल मीडिया पर लिख रहे हैं — "बादशाह कभी रिटायर नहीं होते, बस रूप बदलकर लौटते हैं।" फिल्म 2026 में रिलीज होगी, और तब तक इंतजार रहेगा उस पल का जब बड़े पर्दे पर 'किंग' की एंट्री होगी — धीमे कदमों के साथ, लेकिन तूफान जैसी गूंज के साथ।

दुनियाभर के करोड़ों प्रशंसकों के लिए 2 नवंबर किसी त्योहार से कम नहीं—क्योंकि यह दिन है 'किंग ऑफ बॉलीवुड' शाहरुख खान का जन्मदिन। हर साल की तरह इस बार भी 'एसआरके डे' धूमधाम से मनाया गया, लेकिन इस बार जश्न में चार चांद लगा दिए डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद ने। उन्होंने इस खास मौके पर शाहरुख की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'किंग' का टाइटल रिवील वीडियो जारी कर फैंस को ऐसा तोहफा दिया, जिसने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है।

रिवील किए गए वीडियो में शाहरुख खान की दमदार आवाज़ गूंजती है, जिसमें वह कहते नजर आते हैं, "सौ देशों में बदनाम, दुनिया ने दिया सिर्फ एक ही नाम किंग।" यह एक डायलॉग नहीं, बल्कि एक घोषणा है — कि बॉलीवुड का बादशाह अपने सिंहासन पर लौट आया है। वीडियो में शाहरुख का लुक पहले से बिल्कुल अलग नजर आता है — सिल्वर बाल, क्लासिक ब्लैक सूट, कानों में शार्प ईयररिंग्स, और हाथ में किंग ऑफ हार्ट्स का कार्ड, जिसे वे हथियार की तरह थामे हैं।

यह प्रतीक है उस 'दिलों के बादशाह' का, जो अब पहले से ज्यादा खतरनाक, रहस्यमय और करिश्माई अवतार में वापसी कर रहा है। 'वॉर' और 'पठान' जैसी सुपरहिट फिल्मों के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने बताया कि 'किंग' अब तक की उनकी सबसे महत्वाकांक्षी फिल्म है। उन्होंने कहा कि यह फिल्म "एक ऐसे शख्स की कहानी है, जो दुनिया को यह दिखा देगा कि असली ताकत सिर्फ हथियारों में नहीं, इरादों में होती है।"

'पुष्पा' स्टार अल्लू अर्जुन बने मोस्ट वर्सेटाइल एक्टर

दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वे सिर्फ 'स्टाइलिश स्टार' नहीं, बल्कि भारत के सबसे बहुमुखी अभिनेताओं में से एक हैं। उन्हें दादासाहेब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड्स 2025 में 'मोस्ट वर्सेटाइल एक्टर ऑफ द ईयर' के खिताब से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें उनकी शानदार अदाकारी और भारतीय सिनेमा में असाधारण योगदान के लिए दिया गया। लगातार पुरस्कारों और रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन के बाद अल्लू अर्जुन ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनका करिश्मा सिर्फ दक्षिण भारत तक सीमित नहीं है। वे पूरे देश के दिलों के 'पुष्पा' हैं। उनका यह अवॉर्ड न केवल उनके अभिनय का सम्मान है, बल्कि भारतीय सिनेमा की बदलती दिशा का भी प्रतीक है, जहां प्रतिभा की कोई भाषा नहीं होती। यह प्रतिष्ठित समारोह 30 अक्टूबर को मुंबई के SVP स्टेडियम में आयोजित हुआ, जहां भारतीय फिल्म जगत के कई दिग्गज एक मंच पर नजर आए। अल्लू अर्जुन को सम्मानित किए जाने के बाद सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। सम्मान

प्राप्त करने के बाद अल्लू ने कहा, यह अवॉर्ड मेरे फैंस के लिए है। उनका प्यार और समर्थन ही मेरी असली ताकत है। इंस्टाग्राम पर भी अपने प्रशंसकों को धन्यवाद देते हुए लिखा कि "हर किरदार जो मैं निभाता हूं, वह मेरे दर्शकों के लिए ही है।" अल्लू अर्जुन का यह सम्मान उनकी हालिया सुपरहिट फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' (2024) की सफलता के बाद आया है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर नया इतिहास रचा था। इससे पहले उन्हें इसी फिल्म के लिए SIIMA 2025 और गद्दार तेलंगाना फिल्म अवॉर्ड्स में 'बेस्ट एक्टर' का सम्मान मिल चुका है। 'पुष्पा 2' में अल्लू अर्जुन के साथ रश्मिका मंदाना, फहद फासिल, जगपति बाबू, सुनील और राव रमेश ने भी दमदार भूमिकाएँ निभाई थीं।

पंकज त्रिपाठी की मां हेमवंती देवी का निधन

अभिनेता ने गांव बेलसंड में दी अंतिम विदाई

बॉलीवुड अभिनेता पंकज त्रिपाठी की मां हेमवंती देवी का शनिवार को निधन हो गया। उन्होंने बिहार के गोपालगंज जिले के बेलसंड स्थित अपने आवास पर 89 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। बीते कुछ समय से वे अस्वस्थ चल रही थीं। निधन के समय अभिनेता पंकज त्रिपाठी अपनी मां के पास ही मौजूद थे।

त्रिपाठी परिवार की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया— "हमें गहरा दुख है कि श्रीमती हेमवंती देवी अब हमारे बीच नहीं रहीं। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थीं और शनिवार सुबह नींद में शांतिपूर्वक देह त्याग दिया। पंकज उस समय उनके साथ थे। परिवार इस कठिन समय में निजता बनाए रखने की विनम्र अपील करता है और सभी से आग्रह है कि वे उन्हें अपनी प्रार्थनाओं में याद रखें।"

हेमवंती देवी का अंतिम संस्कार शनिवार को उनके पैतृक गांव बेलसंड में किया गया। इस दौरान परिवार, रिश्तेदारों और कुछ करीबी मित्रों ने उपस्थित होकर उन्हें नम आंखों से विदाई दी। पंकज त्रिपाठी कई अवसरों पर अपनी मां के प्रति असीम श्रद्धा और स्नेह प्रकट कर चुके हैं।

वह कहा करते थे— "मां ने मुझे जीवन का सबसे बड़ा सादगी, विनम्रता और सेवा का पाठ सिखाया। पंकज त्रिपाठी की मां के निधन के बाद सोशल मीडिया पर फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई कलाकारों, निर्माताओं और प्रशंसकों ने गहरी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। सभी ने अभिनेता और उनके परिवार को इस कठिन समय में धैर्य और शक्ति की कामना की है।

पंकज त्रिपाठी 'सेक्रेड गेम्स', 'मिर्जापुर', 'क्रिमिनल जस्टिस' जैसी लोकप्रिय वेब सीरीज़ों से दर्शकों के दिलों में खास जगह बना चुके हैं। हाल ही में वे 'क्रिमिनल जस्टिस 4' और 'मेट्रो... इन डिनो' में नजर आए थे। आने वाले महीनों में वह 'मिर्जापुर: द फिल्म' में एक बार फिर दर्शकों के सामने अपने खास अंदाज में लौटेंगे।

बाहुबली द एपिक : वीकेंड में 21.59 करोड़ का शानदार कलेक्शन

एसएस राजामौली की इस री-एडिटेड फिल्म से दर्शकों की पुरानी यादें हुईं ताज़ा

भारत की सबसे भव्य फिल्म फ्रेंचाइज़ी 'बाहुबली' एक बार फिर बड़े परदे पर लौट आई है। निर्देशक एस.एस. राजामौली ने 'बाहुबली: द बिगिनिंग' और 'बाहुबली: द कन्क्लूजन' को एक साथ जोड़कर नया संस्करण 'बाहुबली द एपिक' के रूप में प्रस्तुत किया है। इस री-एडिटेड फिल्म में कुछ नए दृश्य और विजुअल इफेक्ट्स जोड़े गए हैं, जिससे दर्शकों को एक बार फिर उसी रोमांचक दुनिया में ले जाया गया है, जिसने कभी भारतीय सिनेमा की परिभाषा बदल दी थी। करीब पौने चार घंटे की अवधि वाली इस फिल्म को दर्शकों से उम्मीद से बढ़कर प्रतिक्रिया मिल रही है। शुक्रवार 31 अक्तूबर को रिलीज हुई 'बाहुबली द एपिक' ने पहले दिन 9.65 करोड़ रुपये की कमाई की, जबकि एक दिन पहले आयोजित स्पेशल स्क्रीनिंग से फिल्म को 1.15 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई हुई। इस तरह ओपनिंग डे का कुल कलेक्शन 10.8 करोड़ रुपये पहुंचा।

शनिवार को फिल्म ने 7.1 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जबकि रविवार को भी दर्शकों की भीड़ सिनेमाघरों में नजर आई। अब तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, तीसरे दिन फिल्म का कलेक्शन 3.69 करोड़ रुपये रहा। इस तरह 'बाहुबली द एपिक' का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 21.59 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। फिल्म में प्रभास, राणा दग्गुबाती, राम्या कृष्णन और अनुष्का शेट्टी एक बार फिर अपने किरदारों में नजर आ रहे हैं। राजामौली के निर्देशन और भव्य दृश्यावलियों ने दर्शकों को एक बार फिर मंत्रमुग्ध कर दिया है। सोशल मीडिया पर फैंस फिल्म की सिनेमैटिक स्केल और एडिटिंग की तारीफ कर रहे हैं।

चीखों से टूटा रात का सन्नाटा

खड़े ट्रक से टकराई टूरिस्ट बस 18 श्रद्धालुओं की मौत

एजेंसी । जोधपुर

राजस्थान के जोधपुर जिले में रविवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में 18 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 3 से 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा फलोदी जिले के मतोड़ा क्षेत्र में हुआ, जब एक टूरिस्ट बस सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस के परखच्चे उड़ गए और कई यात्री अंदर ही फंस गए।

बीकानेर से लौटते समय हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार, बस जोधपुर के सूरसागर क्षेत्र से श्रद्धालुओं को लेकर बीकानेर के कोलायत दर्शन के लिए गई थी। दर्शन के बाद लौटते वक्त मतोड़ा के पास बस खड़े ट्रेलर से जा टकराई। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और बचाव कार्य शुरू किया।

तेज रफ्तार और अंधेरे में चालक का संतुलन बिगड़ा

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस तेज रफ्तार में थी और अंधेरे के कारण चालक ट्रेलर को नहीं देख पाया। टक्कर इतनी भयंकर थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह से पिचक गया। थाना अधिकारी अमानाराम पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से घायलों को बाहर निकाला। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने अब तक 18 लोगों की मौत की पुष्टि की है।

मुख्यमंत्री ने जताया दुख

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने फलोदी दुर्घटना पर गहरा दुख जताया है। मुख्यमंत्री ने फोन पर कलेक्टर एस पी एवं अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। घायलों को तुरंत ग्रीनकोरिडोर बना कर अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था करने के लिए कहा गया है।

सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी पीड़ितों के प्रति संवेदना जताई

उधर जोधपुर से सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी हादसे की जानकारी देते हुए पीड़ितों के प्रति संवेदना जताई है। सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए उन्होंने कहा, फलौदी के मातोड़ा में हुए भीषण सड़क हादसे की सूचना मिलने के बाद से लगातार प्रशासन के संपर्क में हूं। अधिकारियों को त्वरित प्रबंध के लिए निर्देशित किया है। जैसी सूचना है उस अनुसार हादसे में बड़ी जनहानि हुई है, अभी हमारा हरसंभव प्रयास है कि घायलों को श्रेष्ठ उपचार मिले। परिजनों को पूरी सहायता दी जाएगी, इस कठिन समय में उनके लिए संबल की प्रार्थना करते हुए सहायता प्रदान करने में तत्पर हूं।

नेपाल के मुस्तांग में बर्फबारी, भूस्खलन का कहर

550 से अधिक पर्यटक फंसे, भारत समेत कई देशों के नागरिक प्रभावित

एजेंसी । काठमांडू

नेपाल के ऊपरी मुस्तांग क्षेत्र में हुई भारी बर्फबारी और भूस्खलन ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। सड़क, बिजली और इंटरनेट सेवाएँ पूरी तरह ठप होने से यह इलाका देश के बाकी हिस्सों से कट गया है। प्रशासन के अनुसार, इस आपदा के कारण भारत सहित विभिन्न देशों के 550 से अधिक पर्यटक और 100 से ज्यादा वाहन फँसे हुए हैं। जोमसोम-कोरला मार्ग कई स्थानों पर धँसने और भूस्खलन से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। बागबेनी से लेकर छुसाङ क्षेत्र तक सड़क और संचार सुविधाएँ ठप हैं। स्थानीय पुलिस भी रविवार सुबह तक कई चौकियों से संपर्क नहीं साध पाई थी।

राहत कार्य जारी

मुस्तांग पुलिस के डीएसपी छिरिंग किप्पा लामा ने बताया कि छुसाङ से ऊपर आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर बड़े भूस्खलन हुए हैं। सड़क को साफ करने के लिए जेसीबी मशीनें लगातार काम कर रही हैं, लेकिन पूर्ण बहाली में अभी कुछ दिन और लग सकते हैं। बारिश और बर्फबारी से कागबेनी और आसपास के इलाकों में हालात और बिगड़ गए हैं। कई पर्यटकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने के प्रयास जारी हैं। मुस्तांग के प्रमुख जिला अधिकारी बिष्णु प्रसाद भुसाल ने बताया कि अब तक ऊपरी मुस्तांग में 559 पर्यटक और 108 वाहन फंसे होने की पुष्टि हुई है।

न्यूज़ ब्रीफ

माओवादी पार्टी सहित सात वामपंथी दल हुए एक

काठमांडू। नेपाल के माओवादी पार्टी सहित सात वामपंथी दलों ने रविवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर करते हुए नई पार्टी बनाने पर सहमति जताई है। हालांकि, पार्टी का नाम अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन इसका चुनाव चिन्ह 'पांच नुकीला तारा' होगा। 5 नवम्बर को एक राष्ट्रीय एकता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें एकीकृत पार्टी की औपचारिक घोषणा, घोषणापत्र एवं अंतरिम विधान का अनुमोदन और केंद्रीय समिति का गठन किया जाएगा। इस समझौते में माओवादी पार्टी, एकीकृत समाजवादी, नेपाल समाजवादी पार्टी, सीपीएन (समाजवादी), जन समाजवादी पार्टी, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी-समाजवादी) तथा सीपीएन (साम्यवादी) शामिल हैं। इसके अलावा विप्लव-नेतृत्व वाली कम्युनिस्ट पार्टी से अलग हुए चिरन गुट ने भी इस नए गठबंधन में शामिल होने की घोषणा की है। समझौते के अनुसार छह महीनों के भीतर राष्ट्रीय एकता महाधिवेशन के माध्यम से पार्टी की संरचना को अंतिम रूप दिया जाएगा। नई पार्टी में केन्द्रीय समिति, राजनीतिक समिति, सचिवालय तथा संचालन समन्वय समिति का गठन होगा।

इजराइली हवाई हमले में एक फिलिस्तीनी की मौत

यरुशलम/काहिरा। गाजा पट्टी में रविवार को हुए इजराइली हवाई हमले में एक फिलिस्तीनी नागरिक की मौत हो गई। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब इजराइल और हमास के बीच चल रहे नाजुक संघर्ष विराम को लेकर दोनों पक्ष एक-दूसरे पर रोजाना उल्लंघन के आरोप लगा रहे हैं। इजराइली सेना ने दावा किया कि उसका हवाई हमला उस आतंकी पर किया गया था जो उसके सैनिकों के लिए खतरा बन रहा था। गाजा सिटी के शेजाइया इलाके में स्थित सब्जी मंडी के पास हुए इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हुई, जिसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। अल-अहली अस्पताल ने बताया कि मृतक को मौके पर ही अस्पताल लाया गया था, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका।

खंडवा के मदरसे में मिले 16 लाख के नकली नोट

खंडवा। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के जावर थाना क्षेत्र के ग्राम पैठियां (मछौड़ी रैय्यत) स्थित एक मदरसे में रविवार को बड़ी मात्रा में नकली नोट बरामद हुए हैं। मस्जिद में इमाम के रूप में तैनात जुबेर पुत्र अशरफ अंसारी के कमरे में पुलिस ने तलाशी तो एक बैग में नकली नोटों के बंडल मिले, जिनकी कुल कीमत 16 लाख रुपये के आसपास होने का अनुमान है। पुलिस के अनुसार महाराष्ट्र के मालेगांव पुलिस ने बीते शुक्रवार को नकली नोटों के साथ जुबेर और उसके साथी नजीम अकम अयूब अंसारी को 10 लाख के नकली नोटों के साथ गिरफ्तार किया था। तब यह मामला मीडिया में आया था। इसके बाद जावर थाना क्षेत्र के रहने वाले एक शख्स ने मीडिया रिपोर्ट्स में देखा कि दो में से एक आरोपित तो पैठियां गांव की मस्जिद का इमाम जुबेर है तो उसने इसकी सूचना जावर पुलिस को दी।

कश्मीर मैराथन 2.0 : श्रीनगर में दौड़ी 'शांति की रफ्तार'

11 देशों के 1500 धावक हुए शामिल

- डल झील और ज़बरवान की वादियों में गूंजे कदमों के सुर
- दुनियाभर के एथलीटों ने जगाई 'एकता और उम्मीद' की किरण

एजेंसी । श्रीनगर

वर्ष 2025 की सुबह श्रीनगर ने एक बार फिर जोश, जुनून और शांति का संगम देखा। रविवार को कश्मीर मैराथन 2.0 के भव्य आयोजन के साथ घाटी ने एकता, खेल भावना और उम्मीद का शानदार संदेश दिया। पोलो व्यू, श्रीनगर से सुबह 6 बजे शुरू हुई इस दौड़ में भारत सहित 11 देशों के 1500 से अधिक धावकों ने हिस्सा लिया। मैराथन का आयोजन पर्यटन विभाग कश्मीर द्वारा जम्मू-कश्मीर खेल परिषद् के सहयोग से किया गया। मुख्यमंत्री सहित वरिष्ठ अधिकारी, पुलिस अधिकारी, और कई बॉलीवुड हस्तियां भी इस आयोजन में शामिल हुईं। सभी ने सुंदर बुलेवार्ड रोड पर दौड़ रहे धावकों का उत्साह बढ़ाया। मैराथन में जर्मनी, अमेरिका, केन्या, जापान, श्रीलंका, डेनमार्क और इथियोपिया जैसे देशों से आए एथलीटों ने भाग लेकर इस आयोजन को अंतरराष्ट्रीय पहचान दी।

'शांति की दौड़' का खूबसूरत मार्ग

मैराथन का मार्ग डल झील और ज़बरवान रेंज के चारों ओर से होकर गुजरता है, जिसे प्रतिभागियों ने दुनिया के सबसे सुंदर ट्रैकों में से एक बताया। ओलंपिक धाविका थेरसिया ने कहा, "झील के किनारे दौड़ना एक जादुई अनुभव था। यहां के लोग बेहद गर्मजोशी से भरे हैं, माहौल शांतिपूर्ण और प्रेरणादायक है।"

स्पोर्ट्स और सौंदर्य का संगम

मैराथन में 42 किलोमीटर (पूर्ण) और 21 किलोमीटर (हाफ) की दो श्रेणियां थीं। विजेताओं के लिए कुल 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि रखी गई। दौड़ के दौरान घाटी की सुबह की ठंडी हवा, पहाड़ों की हरियाली और दर्शकों का उत्साह एक ऐसा दृश्य बना रहा था, जिसने हर प्रतिभागी को रोमांचित कर दिया।

चुनाव के बीच जदयू को बड़ा झटका

प्रत्याशी अनंत सिंह गिरफ्तार

- दुलारचंद यादव हत्याकांड में मुख्य आरोपी बनाए गए प्रत्याशी
- पटना पुलिस की देर रात कार्रवाई, दो सहयोगी भी धरे गए

एजेंसी । पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के बीच सियासत से जुड़े अपराध मामलों में हलचल तेज़ हो गई है। मोकामा के चर्चित दुलारचंद यादव हत्याकांड में पटना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शनिवार देर रात जदयू उम्मीदवार और पूर्व बाहुबली विधायक अनंत सिंह को गिरफ्तार कर लिया। उनके साथ दो सहयोगी — मणिकांत ठाकुर और रणजीत राम — को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है। तीनों को रविवार को अदालत में पेश किया जाएगा।

कारगिल मार्केट से हुई गिरफ्तारी

पुलिस सूत्रों के अनुसार, एसएसपी के नेतृत्व में विशेष टीम ने बाढ़ स्थित कारगिल मार्केट में छापेमारी कर अनंत सिंह को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उन्हें सख्त सुरक्षा के बीच पटना लाया गया। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस के पास घटना स्थल से मिले साक्ष्यों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर अनंत सिंह को मुख्य अभियुक्त बनाया गया है।

30 अक्टूबर की घटना से मचा हड़कंप

यह मामला 30 अक्टूबर को मोकामा के तारतर गांव में दो गुटों के बीच हुई हिंसक झड़प से जुड़ा है। टकराव के बाद वरिष्ठ नेता दुलारचंद यादव का शव बरामद हुआ था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गोली लगने और चोटों के निशान की पुष्टि हुई है। दोनों पक्षों की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया था, लेकिन जांच में पुलिस को अनंत सिंह और उनके समर्थकों की उपस्थिति के प्रमाण मिले।

राजनीति से अपराध तक – चर्चित नाम

75 वर्षीय दुलारचंद यादव मोकामा के प्रभावशाली नेता थे और क्षेत्र में उनका गहरा जनाधार था। वे कई बार विधानसभा चुनाव लड़ चुके थे और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के करीबी माने जाते थे। हाल के दिनों में वे जनसुराज पार्टी के उम्मीदवार के समर्थन में सक्रिय रूप से प्रचार कर रहे थे। इसी दौरान उनके और अनंत सिंह गुट के बीच तनातनी बढ़ने की बात सामने आई थी।

पुलिस ने कहा – पर्याप्त साक्ष्य मौजूद

पटना पुलिस का कहना है कि अब तक जुटाए गए सबूत और बयान मामले को "सुनियोजित हत्या" की ओर इशारा करते हैं। पुलिस ने बताया कि घटना स्थल से मिले खोखे, हथियारों के निशान और सीसीटीवी फुटेज को जांच में शामिल किया गया है। अनंत सिंह की गिरफ्तारी से बिहार की सियासत में हलचल तेज हो गई है। विपक्ष इसे "राजनीतिक षड्यंत्र" बता रहा है।

11 नेपाली राजदूतों की वापसी पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

अदालत ने कहा, तत्काल प्रभाव से लागू नहीं होगा सरकार का निर्णय

एजेंसी । काठमांडू

नेपाल सरकार को बड़ा झटका देते हुए सर्वोच्च अदालत ने विदेशों में तैनात 11 नेपाली राजदूतों की वापसी के फैसले पर फिलहाल रोक लगा दी है। अदालत ने इस संबंध में जारी आदेश में स्पष्ट कहा कि सरकार का यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू नहीं किया जाएगा। न्यायमूर्ति शारंगा सुवेदी और श्रीकांत पौडेल की संयुक्त पीठ ने अंतरिम आदेश जारी करते हुए कहा कि मामले की सुनवाई पूरी होने तक सरकार अपने आदेश को अमल में न लाए। गौरतलब है कि नेपाल सरकार ने अक्टूबर मध्य में 11 देशों में कार्यरत अपने राजदूतों को वापस बुलाने का निर्णय लिया था। इस फैसले के खिलाफ पत्रकार सुनिल भट्टराई ने प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद कार्यालय तथा परराष्ट्र मंत्रालय को विपक्षी बनाते हुए सर्वोच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की थी।

चेहरा बदलकर लौटना चाहता है जंगलराज : शाह

- बिहार में नीतीश ही एनडीए का चेहरा
- भारत कोई धर्मशाला नहीं, 2026 तक नक्सलवाद का सफाया करेंगे

एजेंसी । पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के बीच सियासी सरगर्मी चरम पर है और आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज़ हो गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को एक समाचार चैनल को दिए साक्षात्कार में विपक्ष पर तीखे हमले किए। शाह ने कहा कि "जंगलराज चेहरे और भेष बदलकर वापस आना चाहता है, लेकिन बिहार की जनता उसे पहचान चुकी है।"

स्वरोजगार से रुकेगा यहां का पलायन

गृह मंत्री ने कहा कि बिहार से पलायन रोकने का एकमात्र समाधान स्वरोजगार मॉडल है। "अगर गांव का युवा अपने घर में 25 हजार रुपये कमा ले, तो वह न मुंबई जाएगा न केरल। सरकार हर पंचायत में लघु उद्योग और माइक्रो-एंटरप्राइज को बढ़ावा देने पर काम कर रही है।"

तेजस्वी का डीएनए वही 'जंगलराज' वाला

शाह ने एनडीए में नेतृत्व को लेकर चल रही अटकलों को खारिज करते हुए कहा, "नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री पद का चेहरा हैं और उन्हीं के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जा रहा है। कुछ लोग हर बार 'एकनाथ शिंदे' ढूंढने लगते हैं, पर बिहार में नीतीश जी का नेतृत्व अटूट है।" 10 लाख सरकारी नौकरियों के वादे पर प्रहार करते हुए शाह बोले, "यह वादा अव्यावहारिक है।

देश में अब 1551 पार्टियां हो गईं

शाह ने कहा, "चेहरा भले तेजस्वी का हो, नियंत्रण अभी भी लालू यादव के हाथ में है। बिहार की जनता को तय करना है कि वह विकास चाहती है या फिर अपराध और भय का वह दौर जिसे हम पीछे छोड़ चुके हैं।" प्रशांत किशोर की नई पार्टी पर प्रतिक्रिया देते हुए शाह ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, "देश में पहले ही 1550 पार्टियां हैं, अब 1551 हो गई। भाजपा 160 सीटें जीतने जा रही है।

ट्रंप का सख्त संदेश

नाइजीरिया पर सैन्य कार्रवाई के लिए रहें तैयार

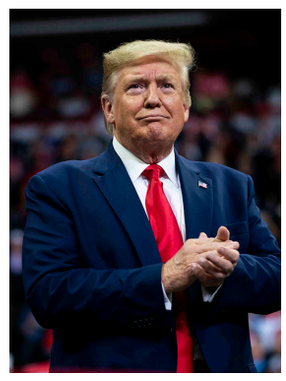

एजेंसी । वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाइजीरियाई सरकार पर तीखी टिप्पणियाँ करते हुए कहा है कि अगर नाइजीरिया ईसाइयों पर होने वाले हमलों के खिलाफ ठोस कदम नहीं उठाता तो वे अमेरिका के युद्ध विभाग को संभावित कार्रवाई के लिए तैयार रहने का निर्देश दे रहे हैं। ट्रंप ने यह संदेश सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म ट्रुथ सोशल पर साझा किया।

कठोर चेतावनी और सुर तेज़

ट्रंप ने कहा कि नाइजीरिया सरकार यदि ईसाइयों की हत्या की "अनुमति" देती रही तो अमेरिका की सहायता रोकी जा सकती है और आवश्यकतानुसार आतंकवादियों के ख़िलाफ़ क़दम उठाए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कोई सैन्य कार्रवाई हुई तो वह "तेज़, खतरनाक और सटीक" होगी।

देश में चुनौतियां जटिल : टीनूबू

नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद टीनूबू ने पहले अमेरिकी आरोपों को अस्वीकार करते हुए कहा था कि नाइजीरिया को धार्मिक असहिष्णुता का देश बताना अनुचित है। सरकार का कहना है कि देश में सुरक्षा चुनौतियाँ जटिल हैं और उन्हें स्थानीय संदर्भ में समझना ज़रूरी है। अमेरिकी टिप्पणी के बाद नाइजीरियाई राजनयिक परिप्रेक्ष्य और भी सतर्क हो गया है।

ईसाई और मुस्लिम आबादी एक बराबर

नाइजीरिया में मुस्लिम और ईसाई समुदाय लगभग बराबर हैं और कुछ क्षेत्रों में दशकों से बुनियादी सुरक्षा संकट मौजूद है। बोको हरम और अन्य उग्रवादी संगठनों ने देश के कई हिस्सों में हिंसा फैलाई है, जिससे नागरिकों को भारी क्षति उठा करनी पड़ी है। अमेरिका ने हाल के अरसे में इन घटनाओं को बार-बार उठाया है और नाइजीरियाई सरकार ने कई बार अपने कदमों का बचाव किया है।

अमेरिकी दबाव का राजनीतिक आयाम

खबर में यह भी संकेत दिया गया है कि नाइजीरिया और अमेरिका के बीच पहले से कड़वे राजनीतिक संबंध रहे हैं। विशेषकर तब जब नाइजीरिया ने अप्रवासियों को स्वीकार करने पर अमेरिका के दबाव का समान रूप से विरोध किया। आर्थिक और वीज़ा संबंधी कदमों के ज़रिये दबाव बनाये जाने की बातें भी सार्वजनिक हुई थीं, जो दोनों देशों के रिश्तों में तनाव का कारण बनीं।

शिक्षा केवल ज्ञान नहीं, जीवन मूल्यों का साधन : मुर्मु

- पतंजलि विश्वविद्यालय का दूसरा दीक्षांत समारोह
- 1454 विद्यार्थियों को उपाधि, बेटियों ने रचा इतिहास

एजेंसी । हरिद्वार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना या ज्ञान अर्जित करना नहीं है, बल्कि सदाचार, सरलता, कर्तव्यनिष्ठा और तपस्या जैसे जीवन-मूल्यों को आत्मसात करना भी उतना ही आवश्यक है। वे रविवार को हरिद्वार स्थित पतंजलि विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। समारोह में राष्ट्रपति ने स्वर्ण पदक प्राप्त विद्यार्थियों को सम्मानित किया और 1454 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की। इनमें 62 शोधार्थियों को 'विद्या वारिधि', 3 को 'विद्या वाचस्पति', 615 विद्यार्थियों को परास्नातक और 774 विद्यार्थियों को स्नातक की उपाधि दी गई। राष्ट्रपति मुर्मु ने इस अवसर पर विशेष प्रसन्नता व्यक्त की कि उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में 64 प्रतिशत बेटियां हैं और पदक पाने वाली छात्राओं की संख्या छात्रों की तुलना में चार गुना अधिक है। उन्होंने कहा, "यह उपलब्धि विकसित भारत के उस स्वरूप का प्रतीक है, जिसमें महिलाएं नेतृत्व की भूमिका निभा रही हैं।"

प्राकृतिक चिकित्सा में महत्पूर्ण स्थान

राष्ट्रपति ने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय महर्षि पतंजलि की योग, तप और ज्ञान परंपरा को आधुनिक युग के अनुरूप सुलभ बना रहा है। योग, आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में इस संस्थान का योगदान "स्वस्थ भारत, समर्थ भारत" के निर्माण में महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वविद्यालय की भारत-केंद्रित शिक्षा दृष्टि की सराहना करते हुए कहा कि इसमें वैदिक ज्ञान, आधुनिक विज्ञान और वैश्विक दृष्टिकोण का अद्भुत संगम है।

अध्यात्म का प्राणकेंद्र : गुरमीत सिंह

इस अवसर पर उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने राष्ट्रपति का स्वागत करते हुए कहा कि देवभूमि उत्तराखंड केवल एक राज्य नहीं, बल्कि योग, आयुर्वेद और अध्यात्म का प्राणकेंद्र है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने ज्ञान और प्रतिभा का उपयोग विश्व कल्याण के लिए करें। राज्यपाल ने राष्ट्रपति को 'फ्लोरा ऑफ राष्ट्रपति भवन' और 'मेडिसिनल प्लांट्स ऑफ राष्ट्रपति भवन' शीर्षक दो पुस्तकें भेंट कीं।